BORDER NEWS MIRROR
BNM
to the point...
राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र
RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्य हर हाल... 3 www. bordernewsmirror.com मृणाल ठाकुर की फिल्म पूजा... 7

वक्फ बोर्ड पर जेपीसी की लड़ाई ओम बिरला के पास आई

लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ विधेयक को लेकर हुई जेपीसी की बैठक लगातार दूसरे दिन हंगामेदार रही। इसके बाद विपक्ष के कई सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर आरोप लगाया कि वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार कर रही संसद की संयुक्त समिति की बैठक में ''संसदीय आचार संहिता का घोर उल्लंघन'' हुआ। यह पत्र कर्नाटक राज्य अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष अनवर मणिप्पाडी के वक्तव्य पर कई विपक्षी

सांसदों द्वारा समिति की बैठक का बहिष्कार करने के एक दिन बाद आया है। मणिप्पाडी ने वक्फ संपत्तियों के कथित गबन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और के रहमान खान सहित कई विपक्षी नेताओं का नाम लिया था। इससे पहले मंगलवार को विपक्ष के सांसदों ने वक्फ विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति की बैठक से यह कहकर वॉकआउट किया कि भाजपा के एक सदस्य ने उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की है। कल्याण बनर्जी, गौरव गोगोई, ए राजा, मोहम्मद अब्दुल्ला और अरविंद सावंत सहित विपक्षी सदस्य संसदीय समिति की बैठक से उठ कर बाहर चले गए। संसदीय समिति अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के प्रतिनिधियों के पक्ष सुन रही थी। करीब एक घंटे तक बैठक से दूर रहने के बाद विपक्षी सदस्य फिर से इसमें शामिल हुए। उधर, भाजपा सदस्यों का दावा था कि विपक्षी सदस्य अशोभनीय टिप्पणी कर रहे थे।

मोदी सरकार का देश के किसानों को बड़ा तोहफा

गेहूं और सरसों सहित कई फसलों की एमएसपी बढ़ाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने रबी विपणन सत्र 2025-26 के लिए 6 फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की घोषणा की है। इस अधिसूचना के तहत किसानों को उनके उत्पादों के लिए बेहतर मूल्य सुनिश्चित किया गया है, जिससे कृषि क्षेत्र को प्रोत्साहन मिलेगा। घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य में मुख्य रूप से गेहूं, जौ, चना, मसूर, सरसों और केसर (सैफ्लॉवर) शामिल हैं। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को गेहूं, चना और सरसों समेत रबी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को मंजूरी दी। गेहूं का एमएसपी 150 रुपये प्रति

क्विंटल बढ़ाकर 2,275 रुपये से 2,425 रुपये कर दिया गया है। सरसों का एमएसपी 300 रुपये बढ़ाकर 5,950 रुपये और चना का एमएसपी 210 रुपये बढ़ाकर 5,650 रुपये कर दिया गया है। इसी प्रकार जौ, मसूर और कुसुम पर एमएसपी भी बढ़ाकर क्रमशः 1,980 रुपये, 6,700 रुपये और 5,940 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। विभिन्न फसलों के लिए एमएसपी में इस बार वृद्धि की गई है।

यह वृद्धि कृषि लागत और महंगाई को ध्यान में रखते हुए की गई है, जिससे किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिल सके। भारत में एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) वह मूल्य होता है जो सरकार किसानों को उनकी फसलों के लिए सुनिश्चित करती है। यह कीमत सरकार द्वारा तय की जाती है ताकि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिल सके, चाहे बाजार में कीमतें कम ही क्यों न हो जाएं।

मणिपुर में अब न गोली चलेगी, न ही जाएगी जान

मणिपुर हिंसा के 17 महीने बाद संगठनों का एक ही संकल्प

कुकी-मैतेई और नगा नेताओं ने पहली बार साथ में की बैठक

इंफाल/ नई दिल्ली (एजेंसी)। 17 महीने से जारी हिंसा के बीच मणिपुर में शांति की पहली बड़ी कोशिश हुई। मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्रालय की निमंत्रण पर मैतेई, कुकी और नगा समुदायों के 20 विधायक दिल्ली पहुंचे। पहले इनकी बैठक गृह मंत्रालय में होनी थी, लेकिन बाद में आईबी के ऑफिस ले जाया गया। यहां आईबी के पूर्वोत्तर के संयुक्त निदेशक राजेश कांबले, पूर्वोत्तर में भाजपा के समन्वयक संबित पात्रा, केंद्र के सुरक्षा सलाहकार एके मिश्रा और अन्य मौजूद थे। पहले कुकी, फिर मैतेई और बाद में नगा नेताओं से बात की गई। सभी ने अपनी-अपनी मांगें केंद्र के समक्ष रखीं। इसके बाद सभी को एक हॉल में एकत्रित कर संकल्प दिलाया गया कि

आज की बैठक के बाद मणिपुर में न तो एक भी गोली चलेगी और न ही किसी व्यक्ति की जान जाएगी। तीनों समुदायों के प्रतिनिधियों ने इस पर सहमति दी। इसके बाद प्रतिनिधियों ने एक-दूसरे से हाथ मिलाए। सूत्रों के मुताबिक करीब डेढ़ घंटे चली बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मणिपुर के सीएम एन. बीरेन सिंह मौजूद नहीं थे, लेकिन शाह बैठक की मिनट-टु-मिनट मॉनिटरिंग कर रहे थे। कुकी प्रतिनिधियों ने सरकार के सामने 3 मांगें रखीं, अंतिम फैसला काउंसिल पर छोड़ा सूत्रों के मुताबिक मणिपुर विधानसभा में 60 विधायक हैं। इनमें 10 नगा और 10 कुकी हैं।

भारत से रिश्ते मजबूत करने पर अड़े सभी पश्चिमी देश

- ट्रूडो को अपनों ने दिखा दी औकात, खूब हुई किरकिरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के साथ रिश्ते बिगाड़ चुके जस्टिन ट्रूडो के करीबी देशों ने भी अब उन्हें औकात दिखा दी है। पश्चिमी देशों के समर्थन पर खूब उछल रहे कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों के बावजूद अमेरिका और ब्रिटेन ने मोदी सरकार के साथ अपने संबंधों को और मजबूत करने का इरादा जाहिर किया है। पहले ट्रूडो ने दावा किया था कि भारतीय राजनयिकों ने कनाडा में रहने वाले सिख अलगाववादियों पर निगरानी रखी और उन्हें धमकाया, ब्लैकमेल किया या मार डाला। हालांकि, ट्रूडो के इन दावों की खिल्ली उड़ गई है, भारत बार-बार इस बेतुके बयानों के बारे में सबूत मांगता रहा है मगर कनाडा सरकार इस बारे में पुख्ता जानकारी मुहैया नहीं करा पाई है। यह विवाद पिछले साल उस समय शुरू हुआ जब ट्रूडो ने भारत पर ब्रिटिश

कोलंबिया में एक सिख आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में शामिल होने का आरोप लगाया था। अब कनाडा ने आरोप लगाया है कि भारतीय अधिकारियों ने कनाडा की जमीन पर और भी कई अवैध गतिविधियों को अंजाम दिया। सोमवार को कनाडा ने छह भारतीय राजनयिकों को निष्कासित कर दिया, क्योंकि भारत ने उनकी राजनयिक छूट हटाने से इनकार कर दिया।

बाबा सिद्दीकी के हत्यारों ने यूट्यूब से सीखा गोली चलाना

इंस्टाग्राम पर करते थे कॉलिंग

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के दिग्गज राजनेता बाबा सिद्दीकी की हत्यारों को लेकर मुंबई पुलिस ने नए खुलासे किए हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि बाबा सिद्दीकी को मारने की प्लानिंग पुणे में तीन महीने पहले से ही शुरू हो गई थी। हत्यारों ने यूट्यूब से गोली चलाना सीखा और उनकी स्नैपचैट और इंस्टाग्राम पर ही आपस में बातचीत होती थी। मुंबई क्राइम ब्रांच की टीम सिद्दीकी मर्डर केस में चार लोगों को अरेस्ट कर चुकी है। चारों की 21 अक्टूबर तक पुलिस के पास कस्टडी है। बीते शनिवार को एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी को मारने आए शूटरों

गुरमेल सिंह और धर्मराज कश्यप ने छह राउंड फायर किया था। अस्पताल ले जाते वक्त सिद्दीकी की मौत हो गई थी। फायरिंग के कुछ घंटों बाद ही दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया था। सूत्रों ने बताया कि पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि वे किस स्थान पर अभ्यास करते थे, लेकिन यह पता लगा है कि वे यूट्यूब पर शूटिंग की प्रैक्टिस किया करते थे। मुंबई क्राइम ब्रांच ने अब तक इस मामले में 15 से ज्यादा लोगों के बयान दर्ज किए हैं। मुंबई पुलिस ने एनसीपी नेता की हत्या के सिलसिले में आज एक और आरोपी हरीश कुमार निषाद को गिरफ्तार किया। इस केस में यह चौथी गिरफ्तारी है। पुलिस का दावा है हरीश ने आरोपियों के लिए पैसे और हथियार मुहैया कराए थे। इससे पहले पुलिस की टीम ने पुणे से साजिशकर्ता प्रवीण लोनकर को गिरफ्तार किया था। प्रवीण शुभम का भाई है, जो लॉरेंस बिश्नोई का गुर्गा है। पुलिस ने बताया कि प्रवीण और शुभम लोनकर ने शूटरों गुरमेल सिंह और धर्मराज कश्यप को 2 लाख रुपये दिए थे और यह पैसा चौथे आरोपी हरीश के जरिए भेजा गया था। हत्याकांड में तीसरा संदिग्ध शूटर शिवा गौतम अभी भी फरार है, उसकी तलाश की जा रही है।

पीएम मोदी के बनारस में बनेगा एक अनोखा पुल

इस पुल में रेलवे की चार लाइनें जबकि सड़क छह लेन का होगा

यह रेल सह सड़क पुल होगा, इसकी लागत 2642 करोड़ रुपए होगी

बनारस (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय निर्वाचन क्षेत्र बनारस को बुधवार को एक

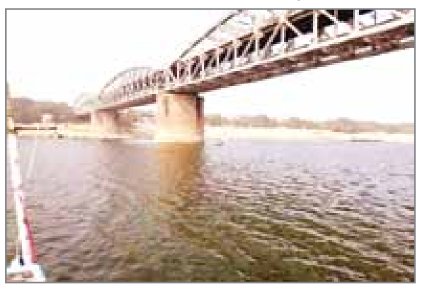

और तोहफा मिला। केंद्र सरकार ने वहां गंगा नदी पर एक और रेल सह सड़क पुल बनाना मंजूर कर लिया है। इस परियोजना पर करीब 2642 करोड़ रुपये का निवेश होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल की यहां हुई बैठक में इस आशय का प्रस्ताव पारित हुआ। बैठक के बाद संवाददाताओं को संबोधित करते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस परियोजना की कुल अनुमानित लागत 2,642 करोड़ रुपये है। प्रस्तावित पुल में निचले डेक पर चार रेलवे लाइन होगी जबकि ऊपरी डेक पर छह लेन का सड़क पुल होगा। यह परियोजना उत्तर प्रदेश के वाराणसी और चंदौली जिलों से होकर गुजरती है। इस समय मुगलसराय और बनारस को जोड़ने वाला रेल पुल काफी पुराना हो गया है।

2015 के केस में ईडी के रडार पर रेवंत रेड्डी

एमएलसी चुनाव में हेराफेरी के लग रहे हैं आरोप

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप लगे हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने यह भी दावा किया है कि उसके पास यह साबित करने के लिए प्रयाप्त सबूत हैं। ईडी का आरोप है कि सीएम रेड्डी भ्रष्टाचार के जरिए 50 लाख रुपये की कमाई की है। ईडी के अधिकारियों ने जांच और कोर्ट के दस्तावेजों का हवाला देते हुए कहा कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दायर आरोप पत्र में आरोपी नंबर 1 के रूप में रेवंत रेड्डी का नाम है। आपको बता दें कि यह मामला 2015 का है। 1 जून 2015 को तेलंगाना विधान परिषद चुनाव से पहले रेवंत रेड्डी को तेलुगु देशम पार्टी के उम्मीदवार वेम नरेंद्र रेड्डी के पक्ष में वोट देने के लिए विधायक एल्विस स्टीफेंसन को 50 लाख रुपये का भुगतान करते हुए पकड़ा गया था।

पहले लोगों का पूरा करेंगे वादा, फिर शपथ का इरादा

- नायब सिंह सैनी का हरियाणा में रोजगार पर बड़ा ऐलान
- शाह की मौजूदगी में चुने गए बीजेपी विधायक दल के नेता

पंचकूला (एजेंसी)। हरिणाया में एक बार फिर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ही सत्ता की बागडोर थामेंगे। सौनी को सर्वसम्मति से हरियाणा में भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया। अब हरियाणा में नई सरकार के शपथ ग्रहण से पहले सैनी ने रोजगार को लेकर बड़ा ऐलान कर दिया है। उन्होंने कहा कि पहले 24 हजार युवाओं को नौकरी देंगे उसके बाद शपथ ग्रहण करेंगे। नायब सिंह सैनी ने एक्स पर पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने कहा, मैंने संकल्प लिया था शपथ बाद में लूंगा पहले 24 हजार युवाओं को ज्वाइनिंग दूंगा। वादे को पूरा करते हुए कल नतीजे घोषित किए जाएंगे। भाजपा जो कहती है वो करती है। नायब सिंह सैनी ने बुधवार को हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय से राजभवन में मुलाकात

की और राज्य में अगली सरकार बनाने का दावा पेश किया। इससे कुछ घंटे पहले ही पंचकूला में हुई बैठक में सैनी को सर्वसम्मति से हरियाणा में भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया था। इस बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मौजूद थे।

आतंकवाद को खत्म किए बिना नहीं हो सकता विकास

एससीओ समिट में जयशंकर का पाकिस्तान और चीन को कड़ा संदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में चल रहे शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को पाकिस्तान और चीन को सख्त संदेश दिया। उन्होंने दोनों देशों को साफ तौर पर कहा कि आतंकवाद और

विकास साथ-साथ नहीं हो सकते हैं। उन्होंने चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा परियोजना को भारतीय संप्रभुता का उल्लंघन करार दिया। जयशंकर ने कहा कि ऐसे प्रोजेक्ट्स से क्षेत्रीय अखंडता प्रभावित होती है और भारत इसे कभी स्वीकार नहीं करेगा। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर से गुजरने वाला यह प्रोजेक्ट भारत के लिए चिंता का विषय है। जयशंकर ने जोर देकर कहा कि एससीओ के सदस्य देशों का सहयोग परस्पर सम्मान और संप्रभुता पर आधारित होना चाहिए।

इसरो बता रहा है कहां लगी आग, आप मना कर रहे हो

हरियाणा और पंजाब सरकार पर भड़का सुप्रीम कोर्ट, खूब सुनाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनसीआर में वायु प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कड़ा रुख अपनाया है। पराली जलाने के मामले में अदालत ने पंजाब और हरियाणा के मुख्य सचिवों को तलब किया है। शीर्ष न्यायालय ने दोनों राज्यों को कानून तोड़ने वालों के खिलाफ मुकदमा नहीं चलाने पर कड़ी फटकार भी लगाई। कोर्ट का कहना है कि पंजाब और हरियाणा ने बीते 3 सालों में उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सिर्फ मामूली जुर्माना लगाया। मामले की सुनवाई कर रहे जस्टिस अभय एस ओक, जस्टिस एजी मसीह और जस्टिस ए अमानुल्लाह ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को भी फटकार लगाई है। कोर्ट ने आयोग को बगैर दांत वाला करार दिया और कहा कि यह अपने ही आदेश लागू नहीं करा पाया।

जस्टिस ओक ने कहा, पंजाब और हरियाणा की तरफ से कौन पेश हुआ है। आयोग के कोई भी सदस्य वायु प्रदूषण से जुड़े मामले से निपटने के योग्य नहीं है। आदेश का बिल्कुल पालन नहीं हुआ। हमारा पिछला और 10 जून का आदेश भी देखें। अब तक एक भी मुकदमा नहीं हुआ। सब कुछ सिर्फ कागजों पर है। इस पर वकील ने कहा कि इस साल 17 एफआईआर दर्ज की गई है। कोर्ट ने कहा, लेकिन यह सब आयोग के किसी प्रावधान में हुआ है। उस प्रावधान में नहीं, जिसकी जरूरत है। हम आपको 1 सप्ताह का समय देते हैं नहीं तो सीएस के खिलाफ अवमानना का आदेश जारी करेंगे। आप लोगों के खिलाफ मुकदमा करने से शरमा क्यों रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इसरो यानी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन का जिक्र भी किया। कोर्ट ने कहा कहा कि इसरो आपको बता रहा है कि कहां आग लगी, लेकिन आप कह रहे हैं कि कुछ नहीं मिला। जस्टिस ओक ने कहा, उल्लंघन के 191 मामले थे और सिर्फ मामूली जुर्माना लिया गया...। हरियाणा ने पूरी तरह से अवहेलना की। कोर्ट ने पंजाब को भी पराली की स्थिति लेकर घेरा। जस्टिस ओक ने कहा, यह कोई राजनीतिक मामला नहीं है। अगर मुख्य सचिव किसी के कहने पर काम कर रहे हैं, तो हम उन्हें भी तलब करेंगे। अगले बुधवार हम मुख्य सचिव को व्यक्तिगत रूप से बुलाएंगे।

उमर अब्दुल्ला बने जम्मू-कश्मीर यूटी के सबसे पहले मुख्यमंत्री

- भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रैना को हराने वाले सुरेंदर चौधरी डिप्टी सीएम

श्रीनगर (एजेंसी)। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इसके साथ ही वे इस केंद्र शासित राज्य के पहले सीएम बन गए। कार्यक्रम श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर में हुआ। नेशनल

कॉन्फ्रेंस के साथ मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस सरकार में शामिल नहीं हुई है। हालांकि उमर के शपथ समारोह में राहुल और प्रियंका गांधी मौजूद रहे। कांग्रेस ने सरकार को बाहर से समर्थन दिया है। पार्टी का कहना है कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा मिलने तक उसकी लड़ाई जारी रहेगी। शपथ लेने के बाद उमर ने कहा कि उनकी गाड़ी के लिए सड़क पर कोई भी ग्रीन कॉरीडोर या ट्रैफिक नहीं रोका जाएगा। उन्होंने अपने मंत्रियों से भी अनुरोध किया है कि वे भी ऐसा ही करें।

संक्षिप्त समाचार

बिहार में जहरीली शराब का कहर, छपरा में एक की गई जान दो की आंख की रोशनी खत्म

छपरा, एजेंसी। बिहार में जहरीली शराब ने एक बार फिर कहर बरपाया है। जानकारी के मुताबिक सारण जिले के छपरा में एक शख्स की मौत के बाद जहरीली शराब पीने से हुई है। जिले के मशरक के बराहीपुर गांव में मंगलवार की रात शराब पीने से एक युवक की मौत हुई है। जानकारी के मुताबिक, जहरीली शराब की वजह से दो लोगों की आंख की रोशनी भी छिन गई है। इधर सारण की सीमा से सटे सीवान जिले के भगवानपुर प्रखंड के बेलासपुर में भी 3 की मौत की चर्चा है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, जिले के भगवानपुर थाने के कौड़िया गांव में मंगलवार की रात 3 लोगों की संदेहास्पद परिस्थिति में मौत हो गई है। पुलिस ने 2 शव बरामद किए हैं। कहा जा रहा है कि 1 शख्स के शव को परिजनों ने जला दिया है। परिजन जहरीली शराब पीने से मौत होने का आरोप लगा रहे हैं। यहां डीएम-एसपी जांच के लिए घटनास्थल पर रवाना हो चुके हैं। अभी प्रशासन इन मौतों की गहराई से जांच-पड़ताल कर रहा है।

हाइवे पर ग्रामीणों ने झपटमार को पकड़ा

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर से घर लौट रहे बेनीबाद के जाता निवासी ललन तिवारी के पुत्र आशीष कुमार से गहरा में बाइक सवार बदमाश ने पीछे से झपटा मारकर मोबाइल लूट लिया और भागने लगे। आशीष के शोर मचाने पर गहरां चौक पर स्थानीय ग्रामीणों ने बदमाश को घेरकर पकड़ लिया और धुलाई कर पुलिस के हवाले कर दिया। बदमाश की पहचान अहियापुर जानकी मंदिर निवासी उमेश राय के 18 वर्षीय सोनू कुमार के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष आशीष कुमार ठाकुर ने बताया कि बदमाश की बाइक जब्त कर ली गई है। वहीं, लूटा गया मोबाइल भी बरामद कर लिया गया है। प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

मेला देखने गयी महिला लापता, प्राथमिकी दर्ज

भागलपुर, एजेंसी। जगदीशपुर थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला लापता हो गयी। मंगलवार को उसके पति ने थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी है। उसने पुलिस को बताया कि मेरी पत्नी पुत्री के साथ 10 अक्टूबर को जगदीशपुर दुर्गा मेला गयी थी। जहां से देर रात तक लौटकर नहीं आई। इसके बाद उसकी खोजबीन शुरू की लेकिन कुछ पता नहीं चल पाया। लगातार चार दिनों तक खोजबीन के दौरान पता चला कि बेलहर थाना क्षेत्र के चौरा गांव के शुभम कुमार ने शादी की नीयत से उसका अपहरण कर लिया है। इसके बाद थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी है। थानाध्यक्ष गणेश कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

बाजार में दुकानदारों को साफ-सफाई को लेकर किया जागरूक

भागलपुर, एजेंसी। भारतीय प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु पदाधिकारी गरिमा लोहिया ने सोमवार को नगर परिषद कार्यालय नवगछिया में योगदान दिया। इस दौरान कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद नवगछिया मुकेश कुमार द्वारा बुके देकर उनका स्वागत किया गया एवं उन्हें नगर परिषद, नवगछिया का प्रभार सौंपा गया। प्रभार ग्रहण करने के उपरांत नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी, कार्यालय कर्मी के साथ बाजार में घुमकर चारों तरफ साफ-सफाई का जायजा लिए। उन्होंने दुकान के आगे फेंके गए पन्नी और कूड़ा को कूड़ेदान में फेंकने की बात दुकानदारों से कही और कार्यालय कर्मी को निर्देश देते हुए बाजार में माइकिंग कराते हुए बाजार में यत्र-तत्र सड़कों, चौक-चौराहे पर कूड़ा नहीं फेंकने की अपील नगर वासियों से करने को कही।

कैबिनेट के फैसले: कोसी-मेची नदी जोड़ योजना के फेज-2 के लिए 14.16 करोड़ रुपए मंजूर, डीपीआर बनेगी

सीमांचल क्षेत्र के 2.51 लाख हेक्टेयर खेतों तक पानी पहुंचेगा

पटना, एजेंसी। कोसी-मेची नदी जोड़ योजना में फेज-2 के तहत डीपीआर तैयार होगी। इसके लिए 14.16 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं। फेज-1 के तहत 2.78 करोड़ रुपए के लिए स्वीकृति पहले ही मिल चुकी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को कैबिनेट की बैठक में इस प्रस्ताव को हरी झंडी मिली। बैठक में 22 प्रस्ताव स्वीकृत किए गए।

कैबिनेट विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ ने बताया कि कोसी-मेची परियोजना की डीपीआर (विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन) तैयार होने के बाद क्रियान्वयन कराया जाएगा। योजना पूरी होने से सीमांचल क्षेत्र में सिंचाई की बेहतर सुविधा होगी। अररिया, किशनगंज, पूर्णिया व कटिहार के 2.51 लाख हेक्टेयर खेतों तक पानी पहुंचेगा। राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण द्वारा तैयार कोसी-मेची लिंक परियोजना की प्रथम पुनरीक्षित प्राक्कलित राशि 6282 करोड़ है। स्पेशल कैटेगरी के तहत इस परियोजना को 90 फीसदी केन्द्रांश व 10 फीसदी राज्यांश के फंडिंग पैटर्न पर स्वीकृति के लिए जल शक्ति मंत्रालय से अनुरोध किया गया है। फेज-1 में मुख्य नहर, शाखा नहर, वितरणी व इससे संबंधित संरचना के कार्य होने हैं, जबकि फेज-2 में उपवितरणियों, लघु नहरों व उप नहरों के कार्यों को शामिल किया गया है। वहीं, डॉ. सिद्धार्थ ने बताया कि कर्मनासा नदी पर पंप नहर योजना इस साल दिसंबर तक पूरी हो जाएगी। कैबिनेट ने इस परियोजना के लिए संशोधित व पुनरीक्षित प्राक्कलित राशि 89.95 करोड़ की मंजूरी दी है।

इसमें कर्मनासा नदी के पानी को चौसा शाखा नहर से रामपुर वितरणी के 9.50 किमी पर पंप द्वारा लिफ्ट कर पानी उपलब्ध कराना है। इससे 2786.10 हेक्टेयर में सिंचाई हो सकेगी। उधर, जमुई की कुंडघाट जलाशय योजना जुलाई 2025 तक पूरी हो जाएगी। इस पर अब 270.32 करोड़ रुपए खर्च होंगे। पहले इस योजना के लिए 185.22 करोड़ रुपए स्वीकृत थे। कैबिनेट ने पुनरीक्षित राशि को मंजूरी दी। इस जलाशय का निर्माण जमुई के सिकंदरा में बहुआर नदी पर कराया जा रहा है।

परीक्षा और अनुभव के आधार पर फार्मासिस्ट की नियुक्ति

कैबिनेट ने फार्मासिस्ट नियुक्ति नियमावली 2014 में संशोधन किया है। इसकी जगह नियमावली 2024 स्वीकृत हुई है। नई नियमावली के प्रावधानों के तहत फार्मासिस्ट में सीधी नियुक्ति की अधिकतम आयु सीमा 18 वर्ष होगी। इसमें आरक्षण के प्रावधान लागू होंगे। सरकार रिक्तियों के आधार पर विज्ञापन निकालेगी और लिखित परीक्षा व अनुभव के आधार पर पात्र उम्मीदवारों का चयन किया जाएगा। लिखित परीक्षा 75 अंकों की होगी। जबकि अनुभव के लिए 25 ग्रेस अंक दिए जाएंगे। प्रतिवर्ष अनुभव के लिए पांच ग्रेस अंक तय किए गए हैं।

उच्च न्यायिक सेवा के स्वीकृत 714 पदों में से 35प्रतिशत प्रवर कोटि में होंगे

उच्च न्यायिक सेवा (जिला न्यायाधीश ग्रेड) के स्वीकृत कैडर पद संख्या के आधार पर प्रमुख ग्रेड और अतिरिक्त वेतनमान में पदों के परिवर्तन को कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। उच्च न्यायिक सेवा के कुल 714 पद स्वीकृत हैं, जिसमें 35प्रतिशत पद प्रवर कोटि में और 15प्रतिशत अधिकाल वेतनमान में परिवर्तित किए जाएंगे। इसके तहत प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के प्रवेश बिंदु के 357 पद, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश (प्रवर कोटि) में 250 पद और प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के 107 पदों का नया कैडर होगा।

ये फैसले भी हुए

बापू टावर के संचालन, रखरखाव पर 1.63 करोड़ रुपए खर्च होंगे। बापू टावर संग्रहालय के निदेशक पटना कार्यालय का गठन सहित कुल 20 पदों के सृजन की मंजूरी।

मोकामा औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना के लिए 33 पदों का सृजन।

पैक्स चुनाव के लिए 18.64 करोड़ रुपए की स्वीकृति।

बिहार लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष की अनुपस्थिति में वरिष्ठतम सदस्य को प्रशासनिक कर्तव्यों के प्रभार धारण करने की अवधि में 200 रुपए प्रति माह की जगह 15000 रुपये प्रति माह विशेष वेतन देने के प्रस्ताव की मंजूरी।

पटना में डेंगू से बुजुर्ग की मौत, 58 नए मरीज मिले; बिहार में पीड़ितों की संख्या 4000 के पार

पटना, एजेंसी। राजधानी पटना स्थित एनएमसीएच के मेडिसिन वार्ड में भर्ती नालंदा के नगरनौसा निवासी डेंगू पीड़ित 70 वर्षीय वृद्ध की मौत हो गई। अधीक्षक डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि मरीज को काफी गंभीर स्थिति में 13 अक्टूबर को भर्ती किया गया था। विभागाध्यक्ष डॉ. अजय कुमार सिन्हा ने कहा कि इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पटना में मंगलवार को डेंगू के कुल 58 नए मामले मिले। अब तक कुल पीड़ितों की संख्या बढ़कर 2373 हो गई है। मंगलवार को पाटलिपुत्रा से 20, कंकड़बाग से 19, एनसीसी से छह, अजीमाबाद और बांकीपुर से दो-दो पीड़ित मिले। वहीं एक पीड़ित की पहचान नहीं हो सकी। आसपास के प्रखंडों में दानापुर और फुलवारीशरीफ से तीन-तीन जबकि मनेर और संपतचक से एक-एक पीड़ित मिले। वहीं मंगलवार को चिकनगुनिया का एक मामला सामने आया है। जिले में चिकनगुनिया पीड़ितों की कुल संख्या 119 हो गई है। बता दें कि बिहार में डेंगू मरीज लगातार बढ़ रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग को मंगलवार को मिली रिपोर्ट के अनुसार राज्यभर में सोमवार (14 अक्टूबर) को डेंगू के 130 नए मरीज मिले हैं। इसमें सिर्फ पटना के 58 डेंगू पीड़ित हैं। पूरे राज्य में इस साल एक जनवरी से 14 अक्टूबर तक डेंगू मरीजों की कुल संख्या 4830 हो गई है। इस साल सिर्फ पटना में 2391 लोग डेंगू से पीड़ित हो चुके हैं। डेंगू से इस साल 12 लोगों की मौत हो चुकी है। गया में 10, मुजफ्फरपुर में 8, नालंदा 6, समस्तीपुर में 4, सारण में 4, गोपालगंज में 4, भागलपुर में 4, वैशाली में 3, नवादा में 3, मधुबनी में 3, पूर्वी चंपारण में 3 डेंगू मरीज मिले हैं।

मारवाड़ी युवा मंच ने डांडिया का किया आयोजन: सहरसा में पूर्व मंत्री ने कार्यक्रम का किया शुभारंभ

सहरसा, एजेंसी। सहरसा में पहली बार मारवाड़ी युवा मंच ने डांडिया का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व मंत्री सह बीजेपी विधायक आलोक रंजन झा, पूर्व विधायक किशोर कुमार मुन्ना और सहरसा नगर निगम की मेयर बैन प्रिया, उप मेयर गुड्डू हयात ने सम्मिलित रूप से दीप जलाकर किया। आयोजित कार्यक्रम में शहर की सैकड़ों महिलाएं शामिल हुई। बाहर से आए कलाकारों ने नृत्य संगीत के धुन महिलाओं ने डांडिया खेला और जमकर इंजॉय किया।

पटना को गंदा करने वाले रहें सावधान, अदालत लगा कर मिलेगी सजा, क्या-क्या दंड मिलेंगे

पटना, एजेंसी। बिहार की राजधानी पटना को गंदा करने वाले अब सावधान हो जाएं। ऐसा करने पर अब उन्हें सजा दी जाएगी। दरअसल पटना नगर निगम के सभी 75 वार्डों में स्वच्छता अदालत लगाई जाएगी। वार्ड पार्षदों और नगर निगम के कर्मियों की उपस्थिति में वार्ड के गली-मोहल्लों एवं सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ यह अदालत बैठेगी। इस दौरान दोषी पाये जाने वाले नगर शत्रुओं पर कार्रवाई होगी। प्रत्येक शनिवार को यह अदालत शहर के वार्डों में लगायी जाएगी। वार्ड पार्षद के नेतृत्व में इसका आयोजन होगा। साथ ही वार्ड की समस्याओं का निराकरण वार्ड में ही त्वरित गति से किया जाएगा। इस अदालत में नगर निगम के कर्मचारियों के साथ कार्यपालक पदाधिकारी एवं संबंधित पदाधिकारी भी मौजूद रहेंगे।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में पटना नगर निगम के उत्कृष्ट प्रदर्शन के नगर निगम की ओर से नई पहल की जा रही है। पटना नगर निगम द्वारा शहर को गंदा करने वालों को न सिर्फ चिह्नित किया जा रहा है बल्कि अब उनके खिलाफ अदालत भी लगायी जाएगी। इस स्वच्छता अदालत में शहर को गंदा करने वाले नगर शत्रुओं के खिलाफ पटना नगर निगम द्वारा दंड भी लगाया जाएगा। पटना नगर निगम द्वारा निरंतर आमजनों को जागरूक करने के बावजूद कई जगहों पर ऐसा पाया गया है कि लोगों (प्रतिष्ठान एवं संस्थान) द्वारा पुन गंदगी फैलाई जाती है। ऐसे में पटना नगर निगम द्वारा अदालत लगाकर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। स्वच्छता अदालत में चार तरह के दिए जाएंगे दंड पटना नगर निगम की ओर से शहर में गंदगी फैलाने वालों को मुख्य रूप से चार प्रकार के दंड दिए जाएंगे। सर्वप्रथम उनका नाम काली सूची में प्रकाशित किया जाएगा। स्वच्छता अदालत में सुनवाई होगी। दोषी पाए जाने पर आर्थिक दंड के रूप में 5000 रुपये तक का जुर्माना लगेगा। वहीं उनसे ही उस जगह की सफाई कराई जाएगी जहां गंदगी फैलाई गई है। वहीं धारा 133 के तहत वाद चलेगा और एक हफ्ते तक सूखा गीला कचरा अलग-अलग कर देना होगा। समस्या एवं सुझाव के लिए टोल फ्री नंबर 155304 एवं वाट्सअप 9264447449 पर मैसेज करने की नगर निगम ने अपील की है।

स्वच्छता अदालत से ये दंड दिए जाएंगे

आर्थिक दंड के रूप में 5000 रुपये तक जुर्माना

दोषियों द्वारा स्थल पर सफाई अभियान चलवाना

धारा 133 के तहत गंदगी फैलानेवाले पर वाद चलेगा

एक हफ्ते तक सूखा-गीला सेग्रीगेशन कर देने का निर्देश

कैमूर में 24 नामजद-150 अज्ञात के खिलाफ एफआईआर, ग्रामीणों ने निष्पक्ष जांच की मांग की

कैमूर, एजेंसी। कैमूर के कुदरा शहर में मां दुर्गा के प्रतिमा विसर्जन के दौरान रविवार की शाम जुलूस निकाला गया था। इसके के बाद अगले दिन सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हुआ। जिसमें विशेष धर्म समुदाय के खिलाफ आपत्तिजनक नारेबाजी की गई है। कुदरा पुलिस ने सोमवार को कार्रवाई करते हुए 24 नामजद और 150 अज्ञात लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की है। विसर्जन जुलूस में शामिल रहे डीजे को जब्त कर लिया। प्राथमिकी थाने में दर्ज होने के बाद कुदरा के लोगों में काफी असंतोष देखा गया। शहर वासियों का कहना है कि वीडियो एडिटेड है।

इसकी निष्पक्ष तरीके से जांच के बाद ही कार्रवाई होनी चाहिए। जो लोग यहां पर नहीं थे उनके ऊपर भी इस कांड में नामजद प्राथमिकी दर्ज कराया गया है। प्रमोद कुमार सिंह ने बताया रविवार की शाम 7:45 बजे कुदरा रेलवे स्टेशन का जुलूस शासन और प्रशासन के उपस्थिति में निकाला गया था। मोहनिया एसडीएम राकेश कुमार सिंह और डीएसपी प्रदीप कुमार के साथ काफी संख्या में पुलिस बल की मौजूदगी थी। उसमें जुलूस शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। सभी ने बधाई दिया।

वीडियो पूरी तरह से एडिटेड

अगले ही दिन आपत्तिजनक वीडियो वायरल बता प्राथमिकी दर्ज कराई गई, जो गलत है। अगर आपत्तिजनक नारेबाजी जुलूस में हुई होती है, तो प्रशासन ने उसी समय कार्रवाई क्यों नहीं किया। वीडियो पूरी तरह से एडिटेड है। उस समय किसी ने आपत्ति नहीं दिखाई और बाद में प्राथमिकी दर्ज की गई। निष्पक्ष तरीके से जांच होनी चाहिए।

पूजा समिति के पूर्व सदस्य संजय कुमार पांडे ने बताया मेरे साले की लड़की का एंगेजमेंट था। जिसको लेकर मैं 11 अक्टूबर से 14 अक्टूबर तक वाराणसी में मौजूद था और जिस दिन की घटना रविवार 13 अक्टूबर की बताई जा रही है। मैं उस समय काशी विश्वनाथ मंदिर में पूजा करने गया था। वहां का सीसीटीवी कैमरा भी रिकॉर्ड में होगा, उसका जांच कराया जाए, तो मेरे ऊपर प्राथमिकी किस आधार पर की गई और वीडियो भी एडिट किया हुआ लग रहा है। पूरे मामले की निष्पक्ष तरीके से जांच होनी चाहिए। प्रशासन की मनमानी नहीं चलेगी।

अखंड सौभाग्य का व्रत करवा चौथ 20 को, पति के भाग्योदय का महासंयोग

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। अखंड सौभाग्य का व्रत करवा चौथ कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि 20 अक्टूबर को मनाया जाएगा। इस दिन महिलाएं अपने सुहाग के दीर्घायु और सुखी जीवन के लिए निर्जला व्रत रखेंगी। करवा चौथ पर ग्रहों का महायोग है। ज्योतिषाचार्य पंडित प्रभात मिश्र ने बताया कि शनि कुम्भ राशि में, गुरु वृष राशि में और शुक्र वृश्चिक राशि में हैं। तीनों ग्रहों के शुभ प्रभाव से कई अच्छे संयोग बन रहे हैं। पति के भाग्योदय होंगे और बिगड़े काम बनेंगे। ज्योतिषाचार्य के मुताबिक रविवार का दिन होने की वजह से व्रती महिलाओं को गणेश भगवान का आशीर्वाद प्राप्त होगा। बताया कि इस बार रोहिणी नक्षत्र में चांद निकलेगा और पूजन होगा। कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि 20 अक्टूबर रविवार की संध्या 07 बजकर 57 मिनट पर चांद निकलने का समय है। वहीं, पूजन के लिए शुभ मुहूर्त शाम 07:5 से लेकर 08:48 तक रहेगा।

तैयारी में जुटीं मारवाड़ी व पंजाबी समाज की महिलाएं

करवा चौथ का व्रत यों तो सभी महिलाएं करती हैं मगर मारवाड़ी और पंजाबी समाज की महिलाएं बढ़चढ़कर हिस्सा लेती हैं। पर्व को लेकर इनकी तैयारी जारी है। महिलाएं पूरे दिन निर्जला उपवास रखती हैं। दोपहर में घर में पूजा करती हैं। मिट्टी की छोटी कुलड़ी में चीनी भरकर पूजा का श्रृंगार सजाती हैं। रात में चलनी में चांद और पति को देखकर जल ग्रहण करती हैं। इस दिन सुहागन घरों में पूजा में भोग लगाने के लिए तरह-तरह के व्यंजन तैयार करती हैं।

बालू समेत सभी खनिजों के खनन में गड़बड़ी की तो 10 लाख तक जुर्माना

पटना, एजेंसी। राज्य में बालू, गिट्टी समेत अन्य खनिजों के खनन, भंडारण व परिवहन में गड़बड़ी की तो अब भारी जुर्माना वसूला जाएगा। बालू खनन शुरू होने के 12 घंटे पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में संशोधित खनिज नियमावली को मंजूरी दी गई। 15 जून से 15 अक्टूबर तक राज्य में बालू खनन पर रोक रहती है। 16 अक्टूबर से बालू खनन शुरू होगा। अब बालू समेत सभी खनिजों का नियम विपरीत अनिबंधित और नॉन कमर्शियल वाहनों से परिवहन एवं भंडारण करने वाले ट्रैक्टर और ट्राली से 1 लाख, छोटे ट्रक से 2.50 लाख, बड़े ट्रक से 8 से 10 लाख रुपए के जुर्माने की वसूली होगी। पढ़ें शासन-प्रशासन भी

वाहनों में जीपीएस जरूरी, नहीं हुआ तो 1 लाख तक दंड

खनिज ढोने वाली गाड़ियां जीपीएस युक्त होंगी। उनका खास रंग होगा। उन पर तय शब्द लिखा होना अनिवार्य होगा। जीपीएस नहीं होने पर ट्रैक्टर को 20 हजार और अन्य बड़े वाहनों को 1 लाख जुर्माना देना होगा। गीला बालू ढोने पर ट्रैक्टर को 5 हजार और बड़े वाहनों को 25 हजार जुर्माना देना होगा। यही जुर्माना बिना ढके बालू ढोने पर भी देना होगा। बालू घाटों के बंदोबस्तधारी पर खनन स्थल पर जीआईएस मैप/जियो कॉर्डिनेट के साथ सीमांकन नहीं करने पर 5 लाख जुर्माना लगेगा। साइन बोर्ड नहीं लगाने, पानी का छिड़काव नहीं करने, लाइट की व्यवस्था नहीं करने और खनन योजना के अनुसार वृक्षारोपण नहीं करने पर प्रत्येक के लिए 50-50 हजार जुर्माना देना होगा। खनन योजना की सैद्धांतिक मंजूरी के बाद निर्धारित समय में खनन योजना प्रस्तुत न करने पर 7 दिन की देरी के लिए 1 लाख, दो सप्ताह की देरी के लिए 2 लाख और एक माह की देरी पर उच्चतम बोली का 0.5% जुर्माना लगेगा।

वन क्षेत्र की अड़चन दूर, कैमूर, रोहतास के 132 गांवों में अब बिजली पहुंचेगी : कैमूर और रोहतास जिले के पहाड़ी क्षेत्रों के 177 बसावट (132 गांव) के 21,644 घरों को अब सीधे ग्रिड से बिजली पहुंचेगी। इसके लिए पुनॅत्थान वितरण क्षेत्र योजना के तहत कैबिनेट ने 117 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी गई है। इन गांवों में वन क्षेत्र की बड़ी अड़चन थी। इसी वजह से अभी तक इन गांवों में सोलर लाइट से प्रकाश की व्यवस्था की गई थी जो बहुत कारगर नहीं थी। अब तार के जरिए सभी गांवों में बिजली पहुंचाई जाएगी।

जांच अधिकारी 60 हजार में लैपटॉप और 20 हजार में स्मार्टफोन खरीदेंगे

देश में नए तीन आपराधिक कानूनों के प्रावधानों में किसी घटना की जांच के लिए इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल रिकॉर्ड रखना अनिवार्य कर दिया गया है। साक्ष्यों के ब्यौरों को भी डिजिटल रिकॉर्ड करना जरूरी है। इसके मद्देनजर सभी आईओ को लैपटॉप और स्मार्टफोन रखना ही होगा। सरकार ने जांच अधिकारियों को 60 हजार में लैपटॉप और 20 हजार में स्मार्टफोन खुद खरीदने की अनुमति दी है। भरपाई सरकार करेगी। इसके लिए 190.63 करोड़ की मंजूर की है।

सची हॉस्पिटल
NH-28 A, नियर टाटा मोटर्स, मोतिहारी (बिहार)
पथरी एवं मूत्र रोग समर्पित हॉस्पिटल
9102779809
9801344665

संक्षिप्त समाचार

शारीरिक, मानसिक और धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण है कार्तिक स्नान - सुशील

बीएनएम। मोतिहारी। सनातन परम्परा में धार्मिक कार्यों के लिए कार्तिक महीने का विशेष महत्व है। इसमें स्नान,दान एवं पूजा-पाठ का पुण्यफलदायक विधान है। कार्तिक स्नान से सुविख्यात यह महीना शरद् पूर्णिमा अर्थात् आश्विन शुक्लपक्ष पूर्णिमा से प्रारंभ होकर कार्तिक शुक्लपक्ष पूर्णिमा पर सम्पन्न होता है। इस बीच करवा चौथ, रम्भा एकादशी, गौवत्स द्वादशी, धनतेरस, रूप चतुर्दशी (नरक चतुर्दशी), दीपावली, गोवर्धन पूजा, भैया दूज, सौभाग्य पंचमी, छठ पूजा, गोपाष्टमी, अक्षय नवमी, देव एकादशी, वैकुण्ठ चतुर्दशी, कार्तिक पूर्णिमा या देव दीपावली आदि त्योहार बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। इस दौरान देवोत्थान या देव प्रबोधिनी एकादशी का विशेष महत्व होता है। उक्त जानकारी शहर के महर्षिनगर स्थित आर्षविद्या शिक्षण प्रशिक्षण सेवा संस्थान-वेद विद्यालय के प्राचार्य सुशील कुमार पाण्डेय ने दी। उन्होंने बताया कि धर्म-कर्म आदि साधना के लिए स्नान करने की सदैव आवश्यकता होती है। इसके अतिरिक्त आरोग्य की अभिवृद्धि और उसकी रक्षा के लिए भी नित्य स्नान से कल्याण होता है। विशेषकर कार्तिक महीने का नित्य स्नान अधिक महत्वपूर्ण है। इस वर्ष कार्तिक महीना 18 अक्टूबर शुक्रवार से प्रारंभ हो रहा है। कार्तिक स्नान आश्विन पूर्णिमा के दिन अर्थात् 17 अक्टूबर गुरुवार से ही प्रारंभ हो जाएगा, जिसका समापन कार्तिक पूर्णिमा 15 नवम्बर शुक्रवार को होगा। प्राचार्य पाण्डेय ने बताया कि शास्त्रों के अनुसार कार्तिक महीने में जो लोग ब्रह्ममुहूर्त्त में उठकर नदी, तालाब या अन्य पवित्र जल में स्नान करके भगवान विष्णु की पूजा करते हैं, उनपर भगवान की असीम कृपा होती है। ऐसी मान्यता है कि भगवान विष्णु कार्तिक मास में जल में निवास करते हैं। पौराणिक मान्यता के अनुसार कार्तिक स्नान और पूजा के कारण ही सत्यभामा को श्रीकृष्ण की पत्नी बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था। इस माह मंदिर में जागरण, कीर्तन, दीपदान, तुलसी और आँवले के वृक्ष का पूजन आदि करना श्रेष्ठ फलदायी होता है। इस मास में किए गए पुण्य कर्म का कभी नाश नहीं होता। कार्तिक स्नान शारीरिक, मानसिक और धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण है।

50 वर्षों से अतिक्रमित भूमि को जिला प्रशासन ने कराया अतिक्रमण मुक्त- राजू बैठा

बीएनएम। मोतिहारी। सदर प्रखण्ड स्थित ग्राम पंचायत राज गोढ़वा पंचायत भवन के समीप करीब 50 वर्षों से अतिक्रमित भूमि को जिला प्रशासन के द्वारा बुधवार को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। प्रदेश सचिव मुखिया संघ बिहार सह गोढ़वा पंचायत के मुखिया राजू बैठा ने बताया कि इस संबंध में अंचल अधिकारी सदर मोतिहारी में अतिक्रमण वाद संख्या 06/2022 चल रहा था जिसमे करीब 32अतिक्रमणकारियों का नोटिस जारी किया गया था परंतु अंचलाधिकारी मोतिहारी सबका घर नहीं तोड़ा बहुत सारा लोगों को नोटिस प्राप्त हुआ लेकिन आज उनका घर नहीं तोड़ा गया। अब अंचलाधिकारी मोतिहारी को बताना चाहिए कि बासमनपुर अगरवा राजस्व ग्राम खाता 83 खेसरा 293 में जिनको जिनको नोटिस जारी किया गया था उन सभी का घर क्यों नहीं तोड़ा गया? अगर वे खाता 83 खेसरा 293 में अतिक्रमण नहीं किए थे तो उन्हें बार-बार नोटिस देकर क्यों परेशान किया गया। अगर वे अतिक्रमणकारी है तो उनका घर क्यों नहीं तोड़ा गया ये यक्ष प्रश्न है? मुखिया राजू बैठा ने कहा कि बहुत ही जल्द इस मामले को लेकर जिलाधिकारी से मिलूंगा और अधिकारियों के द्वारा किए गए पक्षपात की जांच कराउंगा जरूरत पड़ेगा तो पुनः अनशन शुरू करुँगा।

सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्य हर हाल में समय रहते प्राप्त करें पदाधिकारी- आयुक्त

- दिए गए दायित्व एवं निर्धारित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर निष्पादित करें पदाधिकारी
- अच्छे इंटेंशन एवं अच्छी स्ट्रेटजी के साथ तकनीक का अधिकतम उपयोग करते हुए कार्य करें पदाधिकारी

बीएनएम। मोतिहारी

तिरहुत प्रमंडल आयुक्त सरवणन एम. एवं पुलिस उप महानिरीक्षक चंपारण प्रक्षेत्र जयंत कांत की संयुक्त अध्यक्षता में पूर्वी चंपारण समाहरणालय स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद सभा भवन में बुधवार को आयोजित विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक में आयुक्त ने कहा कि विभागीय पदाधिकारी दिए गए दायित्व और कार्यों को प्राथमिकता के साथ ससमय पूर्ण करायें ताकि उसका जनहित में लाभ मिल सके। आयुक्त ने कहा कि लक्ष्य और उपलब्धि को साधने के लिए अच्छे स्ट्रेटजी के साथ तकनीक का अधिकतम उपयोग करें। बैठक के प्रारंभ में जिलाधिकारी के द्वारा आयुक्त एवं पुलिस उप महानिरीक्षक सहित सभी पदाधिकारियों का स्वागत किया गया तत्पश्चात पावर प्वाईंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से विभागीय योजनाओं एवं उपलब्धियां की जानकारी दी गई। सामान्य प्रशासन विभाग की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने बताया कि रोस्टर के अनुसार विभिन्न संवर्गों में रिक्ति को चिन्हित कर प्रस्ताव सरकार को भेज दी गई है। बिहार प्रशासनिक सुधार मिशन सोसाइटी अंतर्गत एचआरएमएस मॉड्यूल की ट्रेनिंग दी जा रही है, जिसमें कार्यों में काफी सहूलियत हो जाएगी। निर्वाचन विभाग की समीक्षा के दौरान उप निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि जिला में मतदान केंद्रों का युक्तिकरण कर दिया गया है। जिले में कुल 15 मतदान केंद्रों की संख्या बढ़ी है। आयुक्त ने कहा कि पूर्वी चंपारण में ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों की प्रचुरता है। इसका व्यापक प्रचार-प्रसार जरूरी है ताकि नई पीढ़ी को इसकी जानकारी मिलती रहे और पर्यटन को भी बढ़ावा दिया जा सके। वहीं जिलाधिकारी ने बताया कि राजस्व विभाग के कार्यों में दाखिल-खारिज एवं परिमार्जन को प्राथमिकता के साथ करने का निर्देश दिया गया है, जिसकी समीक्षा अनुमंडल पदाधिकारी के द्वारा भी प्रत्येक सप्ताह की जा रही है। जिला में म्यूटेशन के प्राप्त 694763आवेदनों में 672952 का निष्पादन कर दिया गया है। म्यूटेशन का प्रतिशत 96.86% बताया गया। जिला में आपूर्ति (खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग) व्यवस्था अंतर्गत सभी लाभुकों का ई-केवाईसी कराया जा रहा है और अभी तक 62.58% पूर्ण कर लिया गया है। ई-केवाईसी पूर्ण हो जाने पर आपूर्ति व्यवस्था में शिकायत नहीं रहेगी। आयुक्त के द्वारा स्कूलों में पढ़ाई की स्थिति की जानकारी प्राप्त की गई। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने बताया कि विद्यालयों में पठन-पाठन की क्वालिटी में काफी सुधार दिख रहा है और अच्छा कार्य हो रहा है। शिक्षक अभिभावक बैठक भी नियमित रूप से विद्यालयों में कराई जा रही है। जिलाधिकारी ने बताया कि मधुबन को नगर पंचायत बनाने का प्रस्ताव अनुमंडल पदाधिकारी पकड़ीदयाल से मांगी गई है। जिला में क्राइम कंट्रोल के बारे में पुलिस अधीक्षक ने बताया कि वर्ष 2024 में कुल 9712 कांड प्रतिवेदित हुए, जिसमें 9526 कांडों का निष्पादन कर दिया गया है। जिला में 500 इंस्पेक्टिंग ऑफिसर है, जिससे कार्यों के निष्पादन को गति मिली है।आयुक्त के द्वारा पोस्टमार्टम एवं इंज्यूरी रिपोर्ट 24 घंटे के अंदर उपलब्ध करा देने का निर्देश सिविल सर्जन को दिया गया। सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को थाना प्रभारीयों से बात कर लंबित पोस्टमार्टम एवं इंज्यूरी रिपोर्ट की समीक्षा करने का निर्देश दिया गया। आयुक्त ने कहा कि किसी भी स्तर पर कम्युनिकेशन गैप नहीं रहना चाहिए। पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने बताया कि इस वर्ष माह सितंबर 2024 तक 727 गैर जमानती वारंट, 75 इश्तेहार एवं 62 कुर्की-जप्ती की कार्रवाई की गई है। हर्ष फायरिंग में तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। थाना स्तर पर गश्ती को मॉनिटरिंग करने के लिए वाहनों को जीपीएस युक्त किया गया है और वायरलेस सिस्टम से जोड़ा जा रहा है। रात्रि में वरीय पुलिस पदाधिकारी नियमित रूप से जांच कर रहे हैं। प्रत्येक शनिवार को थाना स्तर पर अंचलाधिकारी के साथ बैठक कर भूमि-विवाद समाधान कैंप लगाया जा रहा है।साइबर क्राइम को रोकने के लिए अभी तक 63 प्राथमिक की दर्ज की गई है, जिसमें 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बैठक के अंत में अपर समाहर्ता के द्वारा धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बैठक की कार्रवाई समाप्त की गई। उक्त समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी सौरभ जोरवल, पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात, नगर आयुक्त सौरभ सुमन यादव, अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिन्हा सहित सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी, सभी अनुमंडल पदाधिकारी, डीसीएलआर, एसडीपीओ, कार्य विभागों के अभियंता उपस्थित रहे।

अच्छी खबर: ढाका प्रखंड के जटवलिया पंचायत स्थित गोरगाँवा में बनेगा स्वास्थ्य उपकेन्द्र

- स्व. बजरंगी नारायण ठाकुर के पुत्र डॉ. मनीष कुमार ने इसके लिए दी 5 कट्ठा जमीन
- सिविल सर्जन ने जमीन के अधिग्रहण के लिए जिलाधिकारी को लिखा पत्र
- स्वास्थ्य उपकेन्द्र की स्थापना होने से लोगों को होगी इलाज सम्बन्धित सुविधा

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के ढाका प्रखंड के जटवलिया पंचायत स्थित गोरगाँवा में जल्द ही स्वास्थ्य उपकेन्द्र की स्थापना की जाएगी। इसके लिए 5 कट्ठा जमीन स्वास्थ्य विभाग को दान में मिला है जिसके अधिग्रहण का प्रयास किया जा रहा है। जिले के समाजसेवी स्वर्गीय बजरंगी नारायण ठाकुर के पुत्र डॉ. मनीष कुमार ने जमीन दान देने हेतु स्वास्थ्य विभाग, मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री, जिलाधिकारी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, एसडीएम, सीओ को पत्र भेजा है। सिविल सर्जन एवं एमएलसी महेश्वर सिंह ने भी उक्त जमीन के अधिग्रहण हेतु डीएम को पत्र लिखा है। सिविल सर्जन डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि उक्त क्षेत्र में स्वास्थ्य उपकेन्द्र की स्थापना होने से स्थानीय लोगों के इलाज में काफ़ी सुविधा होगी। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत जिले के कई प्रखंडों में 10 स्वास्थ्य उपकेंद्र खोले जाने हेतु जिलास्तर पर विभागीय पहल की जा रही है। इसके लिए विधायकों से सम्पर्क किया गया है। डॉ. मनीष कुमार ने बताया कि जटवनिया पंचायत, गोरगाँवा ग्राम से ढ़ाका अनुमण्डलीय अस्पताल की दूरी 12 किलोमीटर है। वर्षा के दिनों में उस क्षेत्र के कई हिस्से बाढ़ग्रस्त होने से अनुमण्डलीय अस्पताल से सम्पर्क टूट जाता है। इससे लोगों को इलाज कराने में काफ़ी मुसीबतों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि यहाँ से 5 किलोमीटर की दूरी पर सीतामढ़ी जिला स्थित है। मात्र 2 किलो मीटर की दूरी पर नेपाल है। उन्होंने बताया कि इस सम्बन्ध में बुधवार को सिविल सर्जन से मुलाक़ात की गई है। जल्द ही जिलाधिकारी व अन्य अधिकारियों से वार्ता की जाएगी ताकि जल्द उक्त स्थल पर स्वास्थ्य उपकेंद्र का निर्माण कार्य आरम्भ हो सके।

अनुरक्षकों का मानदेय भुगतान कराना किया जाए सुनिश्चित- जिलाधिकारी

बीएनएम। मोतिहारी

नगर के समाहरणालय स्थित एनआईसी में बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नल जल योजना की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के द्वारा जिला पंचायत राज पदाधिकारी को अनुरक्षकों के मानदेय भुगतान के संबंध में जरूरी निर्देश दिए गए। सात निश्चय योजना अन्तर्गत 'हर घर नल का जल (सुशासन के कार्यक्रम 2015-20) के तहत बिहार के सभी परिवारों को पाईप जलापूर्ति योजना अधिष्ठापित करते हुए स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया गया है। आत्मनिर्भर बिहार के सात निश्चय-2 (सुशासन के कार्यक्रम 2020-25) के अंतर्गत 'स्वच्छ गाँव-समृद्ध गाँव' निश्चय अंतर्गत अधिष्ठापित जलापूर्ति योजनाओं के दीर्घकालिक रख-रखाव एवं अनुरक्षण की व्यवस्था को सुनिश्चित करना है। उक्त राशि से प्रति योजना अनुरक्षक का मानदेय प्रति माह 2000.00 रुपये एवं विद्युत प्रभार औसतन 2500.00 रुपये प्रति माह की दर से पंचायती राज विभाग द्वारा 15 वे वित्त आयोग से वहन किया जाना है। जिला स्तरीय अनुश्रवण समिति के अध्यक्ष सह जिलाधिकारी, पूर्वी चम्पारण, मोतिहारी के आदेश ज्ञापांक- 1742 दिनांक-02.09.2024 द्वारा जलापूर्ति योजना के कार्यरत अनुरक्षकों को मानदेय के रूप में प्रतिमाह 2000.00 रुपये की दर से तथा विद्युत विपत्र मो0-2500 रुपये प्रति माह की दर से भुगतान कराने हेतु सभी प्रखण्ड पंचायत राज पदाधिकारी, पूर्वी चम्पारण को 15 दिनों के अंदर सभी अनुरक्षकों के मानदेय भुगतान के लिए वार्ड क्रियान्वयन एवं प्रबंधन समिति (WIMC) के खाते में नियमानुसार राशि का हस्तांतरण सुनिश्चित कराने हेतु निदेशित किया गया है।

विद्युत स्मार्ट मीटर के विरोध में अधीक्षण अभियंता कार्यालय गेट पर कांग्रेस ने किया विरोध प्रदर्शन

बीएनएम। मोतिहारी

- जनता को परेशान करने के लिए जबरन उनके घरों में लगाया जा रहा है विद्युत स्मार्ट मीटर- गप्पू राय
- डबल इंजन सरकार के द्वारा स्मार्ट मीटर में अडानी-अंबानी के माध्यम से बिहार के गरीब जनता का करा रही है शोषण- सुशील कुमार पासी

विद्युत स्मार्ट मीटर के विरोध में बुधवार को शहर के कचहरी चौक के समीप अधीक्षण अभियंता (विद्युत) कार्यालय गेट पर जमकर विरोध प्रदर्शन किया गया एवं जिला पदाधिकारी सौरभ जोरवाल को ज्ञापन सौंपा गया। उक्त कार्यक्रम में अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कमिटी के सम्मानित सचिव सह प्रभारी सचिव बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी सुशील कुमार पासी उपस्थित रहे। वहीं जिला अध्यक्ष ई. शशि भूषण राय उर्फ गप्पु राय ने कहा कि गरीब जनता पर स्मार्ट मीटर योजना थोपकर राज्य सरकार अडानी-अम्बानी को फायदा पहुंचाने का कुत्सित प्रयास कर रही है। जनता को परेशान करने के लिए जबरन इसे उनके घरों में लगाया जा रहा है। श्री राय ने आरोप लगाया कि यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की संयुक्त लूट योजना है। अब प्रखंड से लेकर जिला मुख्यालयों तक इस मुद्दे पर कांग्रेसजन जनता की लड़ाई लड़ेंगे। कहा कि प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह के निर्देशानुसार स्मार्ट मीटर योजना के विरुद्ध राज्यस्तरीय धरना और प्रदर्शन का आयोजन किया गया है। सुशील कुमार पासी ने कहा कि डबल इंजन सरकार के द्वारा स्मार्ट मीटर में अडानी-अंबानी के माध्यम से बिहार के गरीब जनता का शोषण करा रही है। जैसा कि आपको मालूम है कि बिहार में मोदी-नीतीश की सरकार, पुरे प्रदेश में पुराने बिजली के मीटर को हटा कर नया मीटर "स्मार्ट मीटर" के नाम से लगा रही है, पर इस स्मार्ट मीटर में कई बड़ी खामियाँ हैं। स्मार्ट मीटर लगाने वाली एजेंसी और सरकार षड्यंत्र रच कर आम जनता को लूटने का काम कर रही है और बिजली देने के बदले जबरन अधिक राशि वसूल रही है। चुकि ये स्मार्ट मीटर है, इसलिए इसमें घर-घर जाकर बिजली का बिल देखने की व्यवस्था नहीं है। इसे केन्द्रीयकृत तरीके से संचालित किया जा रहा है और मनमाना ढंग से पैसे की वसूली भी की जा रही है। इस प्रिपेड व्यवस्था से उपभोक्ताओं को कई तरह कि कठिनईयों का सामना करना पर रहा है। वहीं इस व्यवस्था के जरिये पूरी तरह से लूट-तंत्र का माहौल बन गया है। बिना सूचना दिये बिजली काट दिए जाने की घटनाएँ, आये दिन घट रही हैं, जो कि एक अमानवीय कृत्य है। आपको ज्ञात हो कि दुनिया में कोई भी सेवा प्रदाता, सेवा देने के उपरांत ही सेवा शूल्क का भुगतान मांगता है, फिर बिहार सरकार के बिजली विभाग को सेवा देने से पूर्व ही भुगतान क्यूँ चाहिए? इसके पिछे डबल इंजन सरकार की मंशा सिर्फ यही है कि यदि पैसा पहले ले लें और उसके बाद मनमाने ढंग से कटौती कर लें, तो जनता जाएगी कहाँ ? स्मार्ट मीटर में किस दर से बिजली की कटौती होती है इसका कोई लेखा-जोखा उपभोक्ताओं को नहीं मिल पाता है, मजबूरन बिहार के उपभोक्ता मनमाने बिल का भुगतान करने को विवश हैं। स्मार्ट मीटर में अधिक बिल कटौती के लिए कोई समाधान सेल नहीं बनाया गया है और न ही इन समस्याओं को पारदर्शी तरीके से सुनने की कोई व्यवस्था भी की गई है। यह मोदी-नीतीश सरकार की भविष्य में बिहार की गरीब जनता से प्रतिवर्ष लगभग दस हजार करोड़ रुपए लुटने की योजना है, जो तीव्र गति से कार्यान्वित होती जा रही है। सरकार, सरकारी अधिकारी और अडानी जैसे स्मार्ट मीटर की एजेंसी के द्वारा मिलकर जनता के गाढ़ी कमाई को लूटने की योजना के तहत, जबरन जनता पर यह स्मार्ट मीटर योजना थोपना, सरकार के अधिनायकवाद एवं हिटलर शाही प्रवृत्ति को परिलक्षित करता है। श्री राय ने आगे बताया कि उच्चतम न्यायालय के अनुसार बिजली उपभोक्ताओं के सहमति से ही स्मार्ट मीटर बिजली विभाग लगा सकती है, लेकिन बिहार में बिजली विभाग माननीय न्यायालय के आदेश को भी अनदेखा करते हुए, जबरदस्ती सभी घरों में स्मार्ट मीटर लगा रही है। बिजली विभाग ने स्मार्ट मीटर लगाना अब अनिवार्य कर दिया है, जो लोग नहीं लगाना चाहते हैं, उनके साथ जबरदस्ती की जा रही है और न लग पाने के क्रम में बिजली उपभोक्ताओं पर थाने में केस/शिकायत भी दर्ज करवा रही है। इन सभी समस्याओं का गंभीर संज्ञान लेते हुए कांग्रेस पार्टी जनहित में इसका पूरजोर विरोध करती है तथा माँग करती है कि स्मार्ट मीटर को हटा कर पहले की तरह पोस्टपेड मीटर को ही सभी घरों में लगाया जाय। इस स्मार्ट मीटर के खिलाफ, बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी अभियान चला रही है। अगर हमारी सरकार के बिहार में आते ही प्रत्येक घर को 200 युनिट बिजली मुफ्त दी जाएगी। वहीं बंजरिया पंडाल स्थित जिला कांग्रेस कमिटी कार्यालय में बिहार प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी सचिव सुशील कुमार पासी समीक्षा बैठक में शामिल हुए तथा एक-एक करके सभी प्रखंड अध्यक्षों एवं जिला कांग्रेस के पदाधिकारियों से बाते भी किये। तत्पश्चात सदाकत आश्रम पटना में आगामी 21 अक्टुबर को बिहार केसरी बाबू कृष्ण सिंह की जन्म जयंती मनाने की तैयारी को लेकर बाते की गई। इस मौके पर जिला अध्यक्ष ई. शशि भूषण राय उर्फ गप्पु राय ने सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा की बाबू श्रीकृष्ण सिंह एक महान राजनेता, समाज सेवी और स्वतंत्रता सेनानी थे। उन्होंने बिहार के विकास और समृद्धि के लिए बहुत काम किया और उनकी विरासत आज भी बिहार के लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनकी जयंती पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में उनके जीवन और कार्यों को याद किया जाता है और उनकी विरासत को आगे बढ़ाने के लिए प्रयास किया जाता है। मौके पर बृजेश पांडेय, शैलेंद्र कुमार शुक्ला, रामप्रीत राय, विजय शंकर पांडे, शैलेंद्र कुमार सिंह, मुमताज अहमद, अखिलेश्वर प्रसाद यादव उर्फ भाई जी, सत्येंद्र नाथ तिवारी, संजीव कुमार सिंह, बच्ची पांडे, मुन्नी साहनी, ओसैदूर रहमान, अरुण प्रकाश पांडे, अमरेंद्र कुमार सिंह, धनंजय तिवारी, डॉ. ललन राम, बृजभूषण पांडे, डॉ. अफरोज आलम, राहुल शर्मा, रंजन कुमार शर्मा, जन्मोत्री ममता निषाद, प्रेम शुक्ला, अवध किशोर मिश्रा, राजेंद्र तिवारी, अजय कुमार झा, उमाशंकर यादव, संजय कुमार पांडे, दिग्विजय सिंह, श्रीकांत मिश्रा, मुक्तिनाथ झा, चमन जायसवाल, देवेश त्रिपाठी, मनोरंजन तिवारी, मुखिया, आबिद हुसैन, महेंद्र पाठक, सुजय गांधी, रंजीत पांडे, राजकुमार यादव, राजकुमार अंजुमन, विश्वनाथ प्रसाद चौरसिया, शिवकुमार जायसवाल, अवधेश सिंह, नंदकिशोर चौबे, रमेश कुमार श्रीवास्तव, नियाज अहमद खान, अहमद अली, संतोष कुमार बबलू, संजय यादव, वीरेंद्र राम, राहुल कुमार, अजीत कुमार मिश्रा, बजेंद्र तिवारी, गुगुल ठाकुर, हरीकिशोर पटेल, रमेश साहनी, परशुराम पांडेय, नीतू कुमारी, विंध्याचल यादव, कामिल अख्तर सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

निजी अस्पताल में मिली प्रतिबंधित दवाएं, अस्पताल सील

- छापेमारी टीम ने की कार्रवाई, मचा हड़कंप

बीएनएम। केसरिया

विभागीय आदेश के बाद बुधवार को केसरिया स्थित आर्यन क्लिनिक एवं हॉस्पिटल में छापेमारी की गई। छापेमारी की भनक लगने पर हॉस्पिटल में भर्ती मरीजों को दूसरे जगह शिफ्ट कर दिया गया। वहीं कोई चिकित्सक मौजूद नहीं पाये गये। बीडीओ मनीष कुमार सिंह, सीओ पूनम मिश्रा, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ उदय कुमार व थानाध्यक्ष उदय कुमार की छापेमारी टीम द्वारा की गई इस कार्रवाई की भनक लगते हीं मौजूद हॉस्पिटल कर्मी भी फरार होने लगे। इस दौरान एक महिला सहित तीन लोगों को हिरासत में लिया गया। जिससे पूछताछ की जा रही है। छापेमारी के दौरान गर्भपात व नींद की दवा सहित कई प्रतिबंधित दवाएं भी बरामद की गई। वहीं ऑपरेशन में उपयोग आने वाले उपकरण को जब्त किया गया। कई कागजात भी बरामद की गई। जिसकी जाँच की जा रही है। इसके बाद उक्त हॉस्पिटल के ओटी रूम व दवा रूम को सील कर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है। बीडीओ मनीष कुमार सिंह ने बताया कि सीएस के आदेश के आलोक में यह कार्रवाई की गई है। आर्यन क्लिनिक एवं हॉस्पिटल में छापेमारी के दौरान कई प्रतिबंधित दवाएं भी पायी गई है। जिसकी जाँच करायी जाएगी। इस हॉस्पिटल में ओपीडी की अनुमति पर सर्जरी करने का मामला भी पाया गया है। उन्होंने बताया कि इस अस्पताल को पूर्व में भी सील किया गया था। विगत सप्ताह एक नवजात की मौत के बाद इस हॉस्पिटल में हंगामा भी हुआ था। छापेमारी टीम में एसआई रामशरण पासवान, एसआई अभिषेक उपाध्यय, एसआई अंजू कुमारी भी शामिल रही।

टाइगर रिजर्व के टी -3 वन क्षेत्र में नेपाली हाथियों के समूह का चहलकदमी

बीएनएम। मोतिहारी

पश्चिम चंपारण(बगहा), 16अक्टूबर(हि.स.)।वाल्मीकि व्याघ्र परियोजना वन प्रमंडल-2 के वाल्मीकि नगर वन क्षेत्र में नेपाल के चितवन नेशनल पार्क से भटककर आए जंगली हाथियों का समूह का चहलकदमी वन क्षेत्र के टी 3 के वन क्षेत्र में हो रहा है। पिछले दिनों नेपाली हाथियों का झुंड वन क्षेत्र से निकल कर ग्रामीण क्षेत्र में पहुंच कर उत्पात मचाते हुए धान,केले के फसल को नुकसान पहुंचाया था। जिससे ग्रामीणों में भय का माहौल व्याप्त था। परन्तु वन क्षेत्र की ओर हाथियों के चले जाने से ग्रामीणों एवं वनकर्मियों ने राहत की सांस ली। आज नेपाली हाथियों का समूह वन क्षेत्र के भालू थापा एंव आसपास के वन क्षेत्रों में चहलकदमी करते देखा गया है। इस सन्दर्भ में पूछे जाने पर वाल्मीकि नगर वन क्षेत्र रेंजर राजकुमार पासवान ने बताया कि वाल्मीकि व्याघ्र परियोजना में पहुंचे जंगली नेपाली हाथियों का लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। मौंजूदा समय में हाथियों का समूह वन क्षेत्र के टी 3 में चहलकदमी कर रहा है।वन कर्मीयों की टीम कड़ी नजर बनाए रखे हुए हैं।

संक्षिप्त समाचार

जमीनी विवाद में अंचल अमीन के सामने ही पैमाईश करने के दौरान दो पक्षों में जमकर मारपीट

बीएनएम। तुरकौलिया। थाना क्षेत्र के चारगाहां मुर्गियां टोला में जमीनी विवाद को लेकर अंचल अमीन के सामने ही पैमाईश करने के दौरान दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। जहां एक महिला सरस्वती देवी व उसका पुत्र कृष्णा यादव घायल हो गए। रामचरित्र राय की पत्नी सरस्वती देवी ने थाना में आवेदन देकर एक दर्जन लोगों को आरोपित की है। जहां आवेदन में उसने बताया है कि पहले से जमीनी विवाद चल रहा था। बुधवार को अंचल अमीन द्वारा पैमाईश कि जा रही थी। इसी दौरान अचानक गांव के ही उमेश राय, विनोद राय, बीरेंद्र राय, रामेश्वर राय, विश्वनाथ राय, जयचंद्र राय, शंभू राय, श्यामाकांत राय, नंदलाल राय, सजीत कुमार ये सभी लोगो ने मापी के दौरान कर्मचारी के सामने अभद्र भाषा का उपयोग करने लगे। गाली का विरोध करने पर सभी लोग लाठी फरसा लेकर मेरे दरवाजे पर पहुंचकर जान से मारने के नियत से मेरे सर पर वार किए। जिससे सर फट गया। साथ ही मेरा बेटा कृष्णा यादव को भी जान से मारने के नियत से फरसा से वार किए। जिससे मेरा बेटा का सर फट गया। और वह वहीं बेहोश हो गया। उसी दौरान मेरे ब्लाउज में हाथ डालकर 5 हजार रूपए निकाल लिया। मेरे गले का मंगलसूत्र भी लगभग 15 हजार का था वह निकाल लिया। गांव के लोग मेरे बेटे और मुझे हॉस्पिटल पहुंचाए। जहां मेरा इलाज चल रहा है। थानाध्यक्ष सुरेश कुमार यादव ने बताया की मामले की जांच की जा रही है।

स्वास्थ्य उप केंद्र की स्थापना के लिए स्व. बजरंगी नारायण ठाकुर के पुत्र डा. मनीष कुमार ने दी 5 कट्ठा जमीन

स्वास्थ्य उपकेन्द्र की स्थापना होने से लोगों को होगी इलाज सम्बन्धित सुविधा- सिविल सर्जन

बीएनएम। मोतिहारी। जिले के ढाका प्रखंड के जटवलिया पंचायत स्थित गोरगाँवा में जल्द ही स्वास्थ्य उपकेन्द्र की स्थापना की जाएगी। इसके लिए 5 कट्ठा जमीन स्वास्थ्य विभाग को दान में मिला है जिसके अधिग्रहण का प्रयास किया जा रहा है। सिविल सर्जन डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि उक्त क्षेत्र में स्वास्थ्य उपकेन्द्र की स्थापना होने से स्थानीय लोगों के इलाज में काफ़ी सुविधा होगी। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत जिले के कई प्रखंडों में 10 स्वास्थ्य उपकेंद्र खोले जाने हेतु जिलास्तर पर विभागीय पहल की जा रही है।

कौमुदी महोत्सव का आयोजन

बीएनएम। मुजफ्फरपुर : राम भजन संकीर्तन आश्रम में कौमुदी काव्य कला केंद्र के तत्वावधान में शरद पूर्णिमा उत्सव और वाल्मीकि जयंती का भव्य आयोजन किया गया। डॉ. पुष्पा प्रसाद की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में गीत, ग़ज़ल, कविता और संगीत की धारा देर रात तक प्रवाहित होती रही। कार्यक्रम का शुभारंभ केदारनाथ प्रसाद के स्वागत संबोधन से हुआ, जिसमें उन्होंने कौमुदी महोत्सव की परंपरा और महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गीत और कविता मानवता और प्रेम की पवित्र धारा होती हैं। विषय प्रवर्तन करते हुए डॉ. संजय पंकज ने आदिकवि वाल्मीकि की जयंती और शरद पूर्णिमा के परिप्रेक्ष्य में रचनात्मकता और संवेदनशीलता की महत्ता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि शरद पूर्णिमा की रात आत्म परिष्कार और देवत्व के जागरण की रात होती है, जो साधकों और मनीषियों को प्रेरणा देती है। डॉ. संजय पंकज ने अपने दोहों और गीतों से माहौल को सरस बना दिया। उनके गीत "यह पूनम का आकाश, मटमैला चंदा है फिर भी फैला है मधुर उजास" ने दर्शकों के मन को छू लिया।

पूर्व की सरकारों के संरक्षण में यहां जंगलराज फैला हुआ था : मनीष वर्मा

बीएनएम। बगहा/बेतिया

बिहार में पश्चिम चंपारण जिले के बगहा में बुधवार को जदयू के तत्वावधान में कार्यकर्ता समागम का आयोजन किया गया। मौके पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जदयू के राष्ट्रीय महासचिव मनीष वर्मा ने कहा कि बगहा महर्षि वाल्मीकि की पवित्र धरती है लेकिन बीच के कालखंड में हमारी पूर्व की सरकारों के संरक्षण में यहां जंगलराज फैला हुआ था। बगहा को डकैतों के आतंक, जंगल राज और गुंडाराज के नाम से जाना जाता था। कब किसकी जान चली जाए, किसकी किडनैपिंग हो जाए, यह पता तक नहीं चलता था, इस प्रकार भय का माहौल हुआ करता था। मनीष वर्मा ने कहा कि 2005 के पहले के बिहार को याद करिए बिहार में बाहुबलियों का शासन था, हर जगह गुंडाराज फैला हुआ था, लोग मारने-काटने को तैयार रहते थे, जाति-जाति की लड़ाई में संलिप्त थे। बच्चों और महिलाओं की हत्यायें सामान्य बात थी। कब किसकी जान चली जाए, यह कल्पना नहीं की जा सकती थी। जदयू के राष्ट्रीय महासचिव ने लोकसभा चुनाव के समय के अनुभव को साझा करते हुए कहा कि उस समय राजद के विपक्षी उम्मीदवार पैसे के दम पर वोट खरीदना चाहते थे लेकिन यहां के लोगों ने जदयू के प्रत्याशी को जिताकर, उनके अरमानों पर पानी फेर दिया। बगहा के लोग अत्यंत स्वाभिमानी हैं, इन्हें पैसे के दम पर नहीं खरीदा जा सकता। जब समता पार्टी का गठन हुआ, उस विषम परिस्थिति में कार्यकर्ताओं ने संघर्ष करके समता पार्टी को स्थापित किया। उस कठिन परिस्थिति से बिहार को निकाल कर विकासशील बिहार बनाने का काम जदयू के कार्यकर्ताओं के दम पर नीतीश कुमार ने किया है। मनीष वर्मा ने कहा कि निरंतर 19 सालों से नीतीश कुमार हमारा नेतृत्व कर रहे हैं और सरकार में रहकर बिहार के लिए निरंतर विकास का काम कर रहे हैं। उनसे ही पूरे बिहार को उम्मीद है और उनके उम्मीद पर खरा उतरने का काम नीतीश कुमार ने किया है। बिहार का जीर्णोधार व पुनर्विकास मात्र केवल नीतीश कुमार ही कर सकते हैं। 20 वर्ष पहले बिहार की क्या स्थिति थी, हम सबको पता है। उसे समय लोगों ने बिहार को बदलने का संकल्प लिया और नीतीश कुमार के नेतृत्व में जदयू की सरकार बनाई। नीतीश कुमार जी बिहार के मुख्यमंत्री बनने के बाद गरीबों को आगे बढ़ाने हेतु शिक्षा को अनिवार्य किया, महिलाओं को आरक्षण दिया, बेटियों के लिए अनेक प्रकार की योजनाएं लागू की। कोई टोला, कस्बा, जाति, धर्म, कोई भी वर्ग विकास की धारा से अछूत न रहे, इसका पूरा ध्यान नीतीश कुमार ने अपने विकास के मॉडल में रखा है।

सियार के आतंक से दहशत में ग्रामीण, कार्रवाई में जुटा वन विभाग

बीएनएम। केसरिया

थाना क्षेत्र के लोहरगाँवा पंचायत में खूंखार सियार के आतंक की सूचना के बाद वन विभाग कार्रवाई में जुट गया है। वन प्रक्षेत्र चकिया के रेंजर शम्भू सिंह, वनरक्षी आदिद हुसैन, वनरक्षी इंद्रजीत कुमार सहित अन्य वनकर्मी ग्रामीणों के सहयोग से मंगलवार की देर रात तक सियार को पकड़ने की कार्रवाई में जुटे रहे लेकिन सफलता नहीं मिली। जिसके बाद वनकर्मियों ने ग्रामीणों को एक पिंजरा मुहैया कराया। इस पिंजरे में मुर्गा बाँधकर इसे खुला रखने को कहा गया है। ताकि शिकार की लोभ में आकर सियार इस पिंजरे में कैद हो सके। बताया जाता है कि बाढ़ की पानी में दर्जनों की संख्या में खूंखार सियार लोहरगाँवा गाँव में प्रवेश कर गया है। विगत दो दिनों में इस गाँव के करीब आधा दर्जन से अधिक लोगों को सियार अपना शिकार बना कर घायल कर दिया है। मुखिया चन्द्रशेखर सिंह ने बताया कि सोमवार को पाँच व मंगलवार को एक ग्रामीण पर हमला कर जख्मी कर दिया था।जिसकी सूचना वन विभाग को दी गई। सियार झुंड बनाकर आ रहा है। जिसके कारण ग्रामीणों में दहशत है।

हरसिद्धि व तुरकौलिया के रात्रि प्रहरी संघ ने की बैठक

बीएनएम। तुरकौलिया

हरसिद्धि व तुरकौलिया के सभी रात्रि प्रहरियों की बैठक बुधवार को गांधी घाट पर हुई। जिसका अध्यक्षता मुन्ना चौधरी ने किया। जहां दोनों प्रखंडों के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालयों में पदस्थापित रात्रि प्रहरियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान सर्वसम्मति से प्रहरी संघ गठन करने का निर्णय लिया गया। जहां अध्यक्ष मुन्ना चौधरी, उपाध्यक्ष मुकेश कुमार, सचिव करण कुमार, उपसचिव मंजय कुमार को चुना गया। वही 30 सदस्यीय कमिटी का गठन भी किया गया। अध्यक्ष मुन्ना चौधरी ने बताया कि सभी रात्रि प्रहरियों का आई कार्ड बनवाना है। इसके लिए बीआरसी कार्यालय से बात की जाएगी। आगामी 28 अक्टूबर को अगली बैठक आयोजित की जाएगी। जिसमें विहार सरकार के गन्ना उद्योग मंत्री कृष्णनंदन पासवान भी भाग लेंगे। बैठक में आने के लिए मंत्री श्री पासवान को फोन से बात करके न्यौता दे दिया गया है। बैठक में आने के लिए वे राजी भी हो गए हैं। अगली बैठक में मंत्री के समक्ष रात्रि प्रहरियों की कुछ मुद्दों को उठाया जाएगा। ताकि वह सरकार तक पहुंचा सके। बैठक में मंजय कुमार, मारूफ आलम, पंकज कुमार, तबरेज आलम, राम पुकार कुमार आदि मौजूद थे।

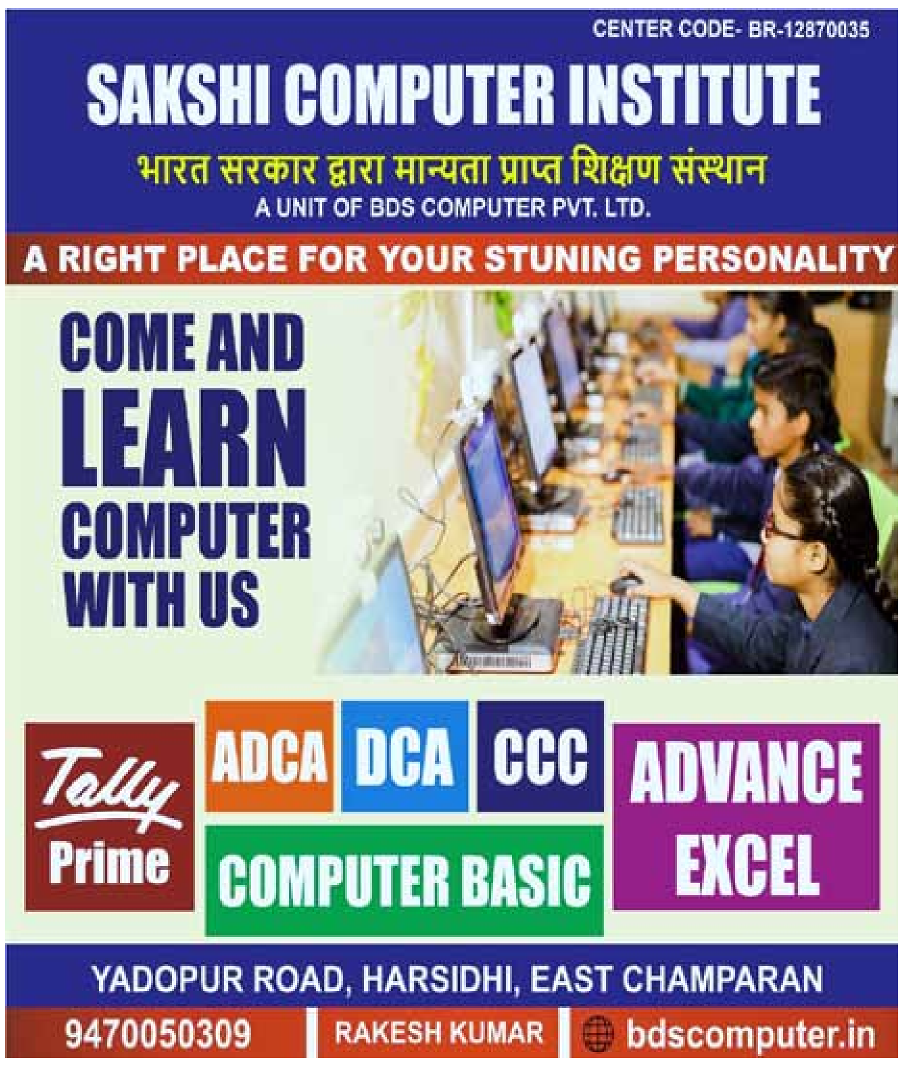

क्वॉड के गठन का प्रस्ताव

दुनिया क्वॉड को इसी रूप में जानती है कि यह इस समय अमेरिका की तरफ से चीन को घेरने के लिए बनाए जा रहे अनेक समूहों में से एक है। इसलिए इशिबा ने जो कहा, उससे भारत के अलावा किसी को परेशानी नहीं हुई है। जापान के नए प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा चीन के प्रति सख्त रुख के लिए जाने जाते हैं। प्रधानमंत्री बनते ही उन्होंने अपनी विदेश संबंधी प्राथमिकताएं वॉशिंगटन स्थित थिंक टैंक- हडसन इंस्टिट्यूट द्वारा प्रकाशित एक लेख में बताई। इसमें उन्होंने चीन का मुकाबला करने के लिए एशियाई नाटो बनाने का आह्वान किया। इशिबा ने कहा कि एशियाई नाटो बनाने की जरूरत इस तथ्य से उपजी है कि अमेरिका की ताकत में तुलनात्मक कमी आई है। तो उन्होंने सुझाव दिया कि चार देशों- अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जापान और भारत- के समूह क्वॉड को एशियाई नाटो की भूमिका ग्रहण करनी चाहिए। इस बयान से भारत असहज हुआ है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इस पर कहा कि भारत "एशियाई नाटो" का समर्थन नहीं करता। वॉशिंगटन में एक कार्यक्रम के दौरान जयशंकर ने स्पष्ट किया कि भारत जापान की तरह सैन्य गठबंधनों पर निर्भर नहीं है और क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए उसकी अपनी अलग रणनीति है। कहा- "हम वैसे किसी रणनीतिक ढांचे के बारे में नहीं सोच रहे हैं।" क्वॉड के गठन का प्रस्ताव मनमोहन सिंह सरकार के जमाने में ही आया था। लेकिन भारत ने ऐसे किसी समूह में शामिल होने से इनकार किया, जिसकी स्पष्ट पहचान किसी अन्य देश (यानी चीन) के विरुद्ध हो। नरेंद्र मोदी सरकार ने इस नीति को बदल कर क्वॉड का सदस्य बनने का निर्णय लिया। लेकिन तब से वह यह कहने में काफी ऊर्जा लगाती रही है कि यह समूह किसी देश के खिलाफ नहीं है, बल्कि इसका सकारात्मक एजेंडा है। कोरोना महामारी के दौर में ऐसा एजेंडा दिखाने के लिए वैक्सीन सहयोग की बात प्रचारित की गई। लेकिन बाकी तीन देशों की ऐसी कोशिश नहीं रही है। दुनिया क्वॉड को इसी रूप में जानती है कि यह इस समय अमेरिका की तरफ से चीन को घेरने के लिए बनाए जा रहे अनेक समूहों में से एक है। इसलिए इशिबा ने जो कहा, उससे भारत के अलावा किसी को परेशानी नहीं हुई है। बल्कि सवाल यह उठा है कि भारत ने खुद को अमेरिका की एशिया-प्रशांत रणनीति से संबंधित किया है, तो फिर यह कहने से उसे गुरेज क्यों है?

पार्टियां मुफ्त की रेवड़ी के नाम पर वोट लेती रहेंगी

देश में चुनाव का सीजन चल रहा है। लोकसभा चुनाव के बाद दो राज्यों के चुनाव हुए हैं और दो अन्य राज्यों में चुनाव की प्रक्रिया शुरू होने वाली है। अगर पूछा जाए कि इस साल के हर चुनाव का केंद्रीय मुद्दा क्या था तो जवाब होगा, मुफ्त की रेवड़ी। चुनाव में और भी बहुत सी चीजें होती हैं लेकिन मुख्य रूप से मुफ्त की रेवड़ी पर ही सभी पार्टियों ने चुनाव लड़ा। तभी जब दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने गर्व से कहा कि उन्होंने दिल्ली के लोगों को 'छह मुफ्त की रेवड़ी दी है और सातवीं रेवड़ी देने वाले हैं तो आश्चर्य नहीं हुआ। आखिर मुफ्त की रेवड़ी के आधुनिक संस्करण के जनक केजरीवाल ही हैं। इसलिए अगर वे इस पर गर्व कर रहे हैं और प्रधानमंत्री की ओर से बोले गए इस जुमले को तमगा बना कर सीने पर टांक रहे हैं तो उस पर क्या हैरान होना? केजरीवाल ने अपने को और अधिक एक्सपोज करते हुए कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए भी प्रचार करने को तैयार हैं अगर वे एनडीए के शासन वाले 22 राज्यों में बिजली फ्री कर दें। सोचें, कैसी वैचारिक, नैतिक और राजनीतिक गिरावट है? जिस भाजपा और नरेंद्र मोदी को केजरीवाल, उनकी पार्टी और उनका पूरा गठबंधन संविधान के लिए, देश के लिए और समाज के लिए खराब मानता है उनके लिए भी सिर्फ बिजली फ्री होने पर प्रचार किया जा सकता है! क्या यही केजरीवाल की वैचारिक प्रतिबद्धता है कि बिजली फ्री हो जाए तो मोदी के लिए भी प्रचार करेंगे? क्या इसी आधार पर मोदी के खिलाफ लड़ेंगे? सवाल है कि अगर मोदी की पार्टी ने दिल्ली में बिजली फ्री कर दी तो क्या करेंगे केजरीवाल? अगर मोदी ने बिजली के साथ साथ वो तमाम चीजें मुफ्त में देने की घोषणा कर दी, जो केजरीवाल की सरकार दे रही है तो क्या केजरीवाल दिल्ली की सत्ता छोड़ देंगे और मोदी के लिए प्रचार करेंगे? ऐसा तो कतई नहीं होगा क्योंकि मुख्यमंत्री की कुर्सी छोडऩे के अगले दिन से ही उनकी बेचैनी बढ़ी है और वे नवंबर में ही चुनाव कराने की चुनौती भाजपा को दे रहे हैं। फरवरी तक इंतजार करने का धीरज भी उनमें नहीं दिख रहा है! इसलिए केजरीवाल की बातों पर हैरानी नहीं होती है। वे इस तरह की विरोधाभासी और बेतुकी बातें करते रहते हैं। हैरानी इस बात पर है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुफ्त की रेवड़ी का जुमला गढ़ा और इसका मजाक उड़ाया फिर भी उनकी पार्टी इसी की राजनीति कर रही है! उन्होंने कहा था कि मुफ्त की रेवड़ी की राजनीति से देश की अर्थव्यवस्था बरबाद हो जाएगी। लेकिन उनकी पार्टी अब इस राजनीति की चैंपियन बन गई है।

भारत-अमेरिकी रक्षा डील और चीन-पाकिस्तान की सांसें सील

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत की चारों दिशाओं से सीमाओं को सुरक्षित करने की दृष्टि से एक अच्छी खबर आई है। अमेरिका के साथ 31 एमक्यू -9B ड्रोन (प्रीडेटर ड्रोन) खरीदने की डील साइन कर ली गई है। वस्तुतः एमक्यू-9बी प्रीडेटर ड्रोन को लेकर भारत-अमेरिका का यह अनुबंध इसलिए खास है क्योंकि इसके जरिए टारगेट को दूर से ही खत्म किया जा सकता है । इस ड्रोन को बनाने वाली कंपनी जनरल एटॉमिक्स, इसके मल्टीटैलेंटेड होने का दावा करती है। उसका कहना है कि जासूसी, सर्विलांस, इन्फॉर्मेशन कलेक्शन के अलावा एयर सपोर्ट बंद करने, राहत-बचाव अभियान और हमला करने के लिए इसका इस्तेमाल हो सकता है। ड्रोन 2177 किलोग्राम का पेलोड अपने साथ ले जा सकते हैं। इनमें लेजर गाइडेड मिसाइल, एंटी टैंक मिसाइल और एंटी शिप मिसाइलें लगी हैं। ये मानवरहित ड्रोन रिमोट से संचालित किए जाते हैं। एक साथ जमीन से लेकर आसमान और समंदर से लॉन्च किए जा सकते हैं। यह एक बार उड़ान भरने के बाद 1900 किलोमीटर क्षेत्र की निगरानी कर सकता है। हालांकि भारत के पास पहले से ही चार ताकतवर ड्रोन मौजूद हैं, किंतु इनसे भारतीय बेड़े में शामिल होने से सेना की ताकत हवा में बहुत बढ़ जाएगी । अभी भारत के पास जो ड्रोन हैं, उनमें स्वार्म ड्रोन की यह खासियत है कि वह छोटे-छोटे ड्रोन्स में एक साथ मिलकर हमले को अंजाम देते हैं। इसी तरह से दूसरा हरोप ड्रोन एक इजराइली ड्रोन है। अभी भारतीय सेना के पास यह 150 से ज्यादा हैं। तीसरा, हेरॉन ड्रोन और चौथा सर्चर भी इजराइली ड्रोन हैं, जिसमें कि भारतीय सेना में हेरॉन ड्रोन की तैनाती लद्दाख क्षेत्र की नगरानी करने के लिए की गई है। वहीं, सर्चर ड्रोन को भारतीय सेना लंबी दूरी की सर्विलांस के लिए इस्तेमाल कर रही है। अब इस नए ड्रोन एमक्यू-9बी के सेना में शामिल होने के बाद भारत की सीमाओं की चौकसी करना और अधिक आसान होगा। इसकी सबसे बड़ी खासियतों में बिना आवाज किए काम करने की है। यह जमीन से 250 मीटर की ऊंचाई पर उड़ सकता है। इसके बाद भी टारगेट को इसकी भनक नहीं लगती। यह 442 किलोमीटर की दूरी पर सिर्फ एक घंटे में पहुंच जाता है। पाकिस्तान-चीन या अन्य किसी सीमा पर ड्रोन को बहुत अधिक ऊंचाई पर उड़ाया जाएगा तो वह भारत की सीमा में रहते हुए भी यह जान लेगा कि उनकी सीमाओं के अंदर क्या चल रहा है। साथ ही ये ड्रोन हाई एल्टीट्यूड लॉन्ग एंड्योरेंस की कैटेगरी में आते हैं यानी कि यह 40 घंटे से अधिक समय तक किसी भी प्रकार के मौसम से प्रभावित हुए बिना उड़ान भर सकते हैं। ड्रोन की रेंज 1850 किलोमीटर तक है । एक तरीके से भारत के हाथ में ये ड्रोन आने के बाद इस्लामाबाद से लेकर पाकिस्तान से ज्यादातर शहर नई दिल्ली की जद में होंगे। यही स्थति भारत की दूसरी सीमाओं से सटे देशों की है। यह सवाल महत्वपूर्ण है कि आखिर भारत सरकार ने अमेरिका से इसी ड्रोन को खरीदने में अपनी सबसे ज्यादा रुचि क्यों दिखाई ? जब इस प्रश्न का जवाब खोजने का प्रयत्न किया गया, तब अमेरिकी स्टेट डिपार्टमेंट की वेबसाइट के अध्ययन से ध्यान में आया कि ये सर्च और रेस्क्यू से लेकर लॉ एनफोर्समेंट, बॉर्डर एनफोर्समेंट, काउंटर अटैक जैसे मिशन के लिए बेहद कारगर साबित होते रहे हैं और हर बार अपने को सिद्ध करते रहे हैं। अमेरिका ने जहां भी इनका प्रयोग किया, इसके जरिए वह जमीन से लेकर हवा तक अपने दुश्मनों को समाप्त करने के बहुत हद तक सफल रहा। साल 2022 में अमेरिका ने अलकायदा के खूंखार आतंकवादी अयमान-अल-जवाहिरी को काबुल में इन्हीं ड्रोन्स के जरिए ही मार गिराया। वह बालकनी में टहलने के लिए निकला तभी उस पर रीपर ड्रोन से दो हेलफायर मिसाइलें दागी गईं। इस तरह से अमेरिका ने 9/11 हमले का बदला ले लिया । इतना ही नहीं अमेरिका ने इस ड्रोन की ताकत को देखते हुए ही इन्हें सोमालिया, यमन और लीबिया में इस्तेमाल किया और अभी भी निगरानी के तौर पर इनका इस्तेमाल पुरी दुनिया में अमेरिका द्वारा किया जा रहा है। वह अमेरिका का रीपर ड्रोन ही था, जिससे अलकायदा के ओसामा बिन लादेन की निगरानी की और उसे नेवी सील्स द्वारा 2011 में पाकिस्तान के ऐबटाबाद में मार गिराने में सफलता हासिल हुई । इस ड्रोन की मारक क्षमता और ताकत को देखते हुए ही मोदी सरकार पिछले एक साल से अमेरिका के पीछे पड़ी थी कि इन्हें

भारत को मुहैया कराया जाए । इसके लिए क्वाड समिट से पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से मुलाकात भी की थी। इस मुलाकात में भारत की अमेरिका से एमक्यू 9बी प्रिडेटर ड्रोन्स की डील पक्की हुई। इसमें भी एक अच्छी बात अनुबंध के समय यह रही है कि सुरक्षा कारणों को देखते हुए मोदी सरकार ने सभी निर्णय अपने समर्थन के करवाए । मसलन, डील के अनुसार जनरल एटॉमिक्स कंपनी ड्रोन के रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल के लिए भारत में केंद्र खोलेगी। । समझौते के तहत भारतीय नौसेना को 15 ड्रोन दिए जाएंगे, जबकि भारतीय वायुसेना और थलसेना को आठ-आठ ड्रोन दिए जाएंगे। इनको भारत की चारों दिशाओं में तैनात किया जाएगा। अब रक्षा विशेषज्ञ कह रहे हैं कि इन मानव रहित विमानों का इस्तेमाल एयरबोर्न अर्ली वार्निंग, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध, एंटी-सरफेस वॉरफेयर और एंटी-सबमरीन वॉरफेयर में किया जा सकता है। निश्चित ही इससे भारत को बहुत ताकत मिलेगी। ये अनुबंध दोनों देशों के रक्षा साझेदारी को बढ़ावा देगा, जिसमें सैन्य इंटरऑपरेबिलिटी, इंटेलिजेंस-शेयरिंग, स्पेस और साइबर सहयोग शामिल हैं।इसके साथ ही दोनों देशों की सेना खुफिया जानकारी साझा करेगी। इससे सभी क्षेत्रों में भारत की सशस्त्र सेनाओं की खुफिया, निगरानी और टोही क्षमताओं में वृद्धि होगी। भारत एलएसी से लगे एरिया में चीन को भनक लगे बिना उसकी निगरानी करने में और अधिक सक्षम होगा । वहीं, उसे साउथ चाइना सी में चीन की घुसपैठ को रोकने के इस ड्रोन की मदद से बहुत मदद होगी। सीमाओं की चौकसी को और अधिक मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए अंत में यही कहना होगा, धन्यवाद भारत सरकार!, धन्यवाद मोदी सरकार!

आध्यात्म जगत के राजहंस हैं आचार्य विद्यासागर महाराज

प्रो. श्याम सुंदर भाटिया

बाईस बरस की उम्र में संन्यास लेकर दुनिया को सत्य-अहिंसा का पाठ पढ़ाने वाले आचार्यश्री विद्यासागर महाराज की एक झलक पाने लाखों लोग मीलों पैदल दौड़ते रहे हैं। आचार्य श्रेष्ठ के प्रवचनों में धार्मिक व्याख्यान कम और ऐसे सूत्र ज्यादा होते, जो किसी भी व्यक्ति के जीवन को सफल बना सकते हैं। कर्नाटक में जन्मे वह अकेले ऐसे संत हैं, जिनके जीवंत रहते उन पर अब तक 60 से अधिक पीएचडी हो चुकी हैं। हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, बंगला, कन्नड़, मराठी, प्राकृत, अपभ्रंश सरीखी भाषाओं के जानकार विद्यासागरजी का बचपन भी आम बच्चों की तरह बीता। गिल्ली-डंडा, शतरंज आदि खेलना, चित्रकारी स्वीमिंग आदि का इन्हें भी बहुत शौक रहा, लेकिन जैसे-जैसे बड़े हुए आचार्य श्रेष्ठ का आध्यात्म की ओर रुझान बढ़ता गया। आचार्य श्रेष्ठ का बाल्यकाल का नाम विद्याधर था। कर्नाटक के बेलगांव के ग्राम सदलगा में शरद पूर्णिमा (10 अक्टूबर, 1946) श्रेष्ठी श्री मल्लप्पा अष्टगे और श्रीमती अष्टगे के घर जन्मे आचार्य ने कन्नड़ के माध्यम से हाई स्कूल तक शिक्षा ग्रहण की। इसके बाद वह वैराग्य की दिशा में आगे बढ़े और 30 जून, 1968 को मुनि दीक्षा ली। आचार्य का पद उन्हें 22 नवंबर, 1972 को मिला। आचार्य श्रेष्ठ की ज्ञान गंगा के सम्मुख करोड़ों-करोड़ लोग नतमस्तक रहे हैं। इनमें तमाम हस्तियां भी शामिल हैं। 1999 में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, 2016 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, 2018 में अमेरिकी राजदूत केनेथ जस्टर, फ्रांसीसी राजनयिक अलेक्जेंड्रे जिग्लर, तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति सुरेश जैन उनका आशीर्वाद प्राप्त कर चुके हैं। शरद पूर्णिमा पर उन पर तमाम आयोजन होते हैं। आचार्यश्री ने 28 जुलाई, 2016 को तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के आमंत्रण पर मध्य प्रदेश विधानसभा में प्रवचन किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आचार्यश्री को राज्य अतिथि का दर्जा दे रखा था। 20वीं और 21वीं शताब्दी के साहित्य जगत में एक नए उदीयमान नक्षत्र के रूप में जाने-पहचाने जाने वाले शब्दों के शिल्पकार, अपराजेय साधक, तपस्या की कसौटी, आदर्श योगी, ध्यान ध्याता-ध्येय के पर्याय, कुशल काव्य शिल्पी, प्रवचन प्रभाकर, अनुपम मेधावी, नवनवोन्मेषी प्रतिभा के धनी, सिद्धांतागम के पारगामी, वाग्मी, ज्ञानसागर के विद्याहंस, प्रभु महावीर के प्रतिबिंब, महाकवि, दिगम्बराचार्य श्री विद्यासागरजी की आध्यात्मिक छवि के कालजयी दर्शन आनंद से भर देते थे। सम्प्रदाय मुक्त भक्त हो या दर्शक, पाठक हो या विचारक, अबाल-वृद्ध, नर-नारी उनके बहुमुखी चुम्बकीय व्यक्तित्व-कृतित्व को आदर्श मानकर उनकी शिक्षाओं को अपने जीवन में उतारकर अपने आपको धन्य मानते रहे हैं। आपने राष्ट्रभाषा हिन्दी में प्रेरणादायक युगप्रवर्तक महाकाव्य 'मूकमाटी' का सर्जन कर साहित्य जगत में चमत्कार कर दिया। इसे साहित्यकार 'फ्यूचर पोयट्री' एवं श्रेष्ठ दिग्दर्शक के रूप में मानते हैं। विद्वानों का मानना है कि भवानी प्रसाद मिश्र को सपाट बयानी, सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय का शब्द विन्यास, महाकवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की छान्दसिक छटा, छायावादी युग के प्रमुख स्तंभ सुमित्रानंदन पन्त का प्रकृति व्यवहार, ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता महादेवी वर्मा की मसृण गीतात्मकता, बाबा नागार्जुन का लोक स्पन्दन, केदारनाथ अग्रवाल की बतकही वृत्ति, मुक्तिबोध की फैंटेसी संरचना और धूमिल की तुक संगति आधुनिक काव्य में एक साथ देखनी हो तो वह 'मूकमाटी' में देखी जा सकती है। आचार्य श्रेष्ठ का मातृभाषा प्रेम, देशभक्ति, हिंदी के प्रति अगाध आस्था जगजाहिर रहा है। वह हमेशा गर्व से कहते थे- हिंदी में लिखो, हिंदी बोलो, इंडिया नहीं, भारत बोलो, शिक्षा के साथ संस्कार पाओ, हथकरघा के वस्त्र अपनाओ, स्वदेशी पहनो, स्वावलंबन लाओ, भारतीय संस्कृति बचाओ। वह युवाओं को अपने आशीर्वचन में अकसर कहते थे, उन्हें अंग्रेजी मिटानी नहीं है बल्कि अंग्रेजी को हटाना है, क्योंकि इसके पीछे बहुत से कारण हैं। विश्व के कई देशों में अपनी मातृभाषा में ही शिक्षा दी जाती है। वे देश विकास की बुलंदियों पर हैं। फिर हमारा देश हिंदी को अपनाने में पीछे क्यों है? सर्वोच्च और उच्च न्यायालयों में करोड़ों वाद लंबित है। इसके मूल में भी कहीं न कहीं भाषा ही है। अपनी भाषा राष्ट्रभाषा से ही देश का विकास, जन-जन से जुड़ाव और ज्ञान का प्रकाश फैलाना संभव है। व्यापार की भाषा, बोलचाल की भाषा, प्रशासनिक भाषा, राष्ट्र भाषा या प्रादेशिक भाषा होनी चाहिए। आचार्यश्री मानते थे कुछ लोगों को लगता है अंग्रेजी का विरोध होने से हम बाकि देशों की भाषा से कट जाएंगे। अंग्रेजी के बिना तो कुछ भी नहीं है, यह केवल भ्रम है। आचार्य श्रेष्ठ युवाओं को नामचीन पत्रकार डॉ. वेद प्रताप वैदिक की पुस्तक- अंग्रेजी हटाओ क्यों और कैसे? को पढ़ने की सलाह दी थी, चूंकि उन्होंने भी इस पुस्तक का अध्ययन किया था। यह ही नहीं, डॉ. वैदिक रामटेक हो या नागपुर, वह समय-समय पर जैन संत शिरोमणि के दर्शनार्थ आते-जाते रहते थे। आचार्य श्रेष्ठ मानते रहे हैं, वर्तमान शिक्षा नीति अपनी प्रासंगिकता खो चुकी है। शिक्षा धन से जुड़ गई है। आज की शिक्षा के साथ-साथ अनुभव नहीं है। डिग्री तो मिल जाती है, लेकिन सारी पढ़ाई-लिखाई करने के बाद भी नौकरी नहीं मिलती है। यह सब हमारे देश में पाश्चात्य शिक्षा का प्रभाव है। आज इतिहास को स्कूलों में लीपा-पोती करके पढ़ाया जाता है, हमारा पुराना इतिहास उठा कर देखो। आचार्यश्री ने कहा था, मैं भाषा के रूप में अंग्रेजी का विरोध नहीं करता हूं लेकिन अंग्रेजी भाषा को विश्व की अन्य भाषाओं के साथ ऐच्छिक रखना चाहिए। शिक्षा का माध्यम मातृभाषाएं ही हों। अंग्रेजों ने भारत की परंपरा के साथ चालाकी करके 'भारत' को 'इंडिया' बना दिया है। भारत के साथ हमारी संस्कृति और इतिहास जुड़ा है, लेकिन इंडिया ने भारत की भारतीयता, जीवन पद्धति, नैतिकता, रहन-सहन और खान-पीन सब कुछ छीन लिया है। आचार्य शिरोमणि ने यह सलाह भी दी थी, शिक्षा में शोधार्थी की रुचि, किसमें है, इसकी स्वतंत्रता होनी चाहिए। आज मार्गदर्शक के अनुसार शोधार्थी शोधकर्ता हैं। इससे मौलिकता नहीं उभर पा रही है। शिक्षा रोजगार पैदा करने वाली हो, बेरोजगारी बढ़ाने वाली नहीं हो, शिक्षा कोरी किताब नहीं हो। नई शिक्षा नीति-एनईपी-2020 में मातृभाषा/क्षेत्रीय भाषा की खुशबू, व्यावसायिक शिक्षा, अंग्रेजी भाषा को वैकल्पिक भाषा, शिक्षा रोजगारपरक होने की तमाम खूबियों में आचार्यश्री की दूरदृष्टि सामाहित है। इसके पीछे बड़ा दिलचस्प और प्रेरणादायी किस्सा है। पदम विभूषण, इसरो के पूर्व अध्यक्ष एवं एनईपी कमेटी के चेयरमैन डॉ. कृष्णास्वामी कस्तूरीरंगन नई शिक्षा नीति के मसौदे के सिलसिले में तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मिले तो उन्होंने चेयरमैन डॉ. कस्तूरीरंगन को सलाह दी थी कि उन्हें एक बार आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज से जरूर मिलना चाहिए और उनकी बेशकीमती राय जाननी चाहिए। राष्ट्रपति की सलाह पर चेयरमैन डॉ. कस्तूरीरंगन अपनी कमेटी के और सदस्यों-प्रो.टीवी कट्टीमनी, डॉ. विनयचन्द्र बीके, डॉ. पीके जैन इत्यादि के संग 21 दिसम्बर, 2017 को दर्शनार्थ और चर्चार्थ छत्तीसगढ़ के डोंगरगढ़ में विराजित आचार्यश्री से मिले। करीब 53 मिनट के इस बहुमूल्य संवाद और आशीर्वचन की झलक नई शिक्षा नीति में साफ-साफ दिखाई देती है।

मेष राशि–आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आप जिस लक्ष्य को हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं, वह आज हासिल हो सकता है। आज आपको अपने टारगेट को पूरा करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। काम जितना भी कठिन हो आपको एकाग्रता बनाये रखना है। मनोबल और आत्मविश्वास बना रहेगा। प्रभावशाली लोगों से अच्छे ताल मेल बनेंगे। आज अचानक धनलाभ होने से मन प्रसन्न रहेगा।

वृष राशि–आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। ऑफिस में आज आपको नया प्रोजेक्ट मिलेगा, जिसे पूरा करने में कलीग की आपको सहायता मिल जाएगी। संतान पक्ष से आपको सुख प्राप्त होगा। स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बेहतर रहेगा, कॉलेज में नए दोस्त बनेंगे। पिता का आशिर्वाद आप पर बना रहेगा। अपनी उर्जा से आप बहुत कुछ हासिल करेंगे बस अपनी काबिलियत पर भरोसा करें। किसी कठिन परिस्थिति में आपको कुछ लोगों से आसानी से मदद मिल जाएगी।

मिथुन राशि–आज का दिन बढिय़ा रहने वाला है। आज व्यावसायिक संपर्कों को और मजबूत करने का प्रयास करेंगे, साथ ही आज किसी महत्वपूर्ण या राजनीतिज्ञ से मुलाकात फायदेमंद होगी। आज कारोबार में आपको फायदा होगा। इस राशि के बैंकिंग सेक्टर से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन विशेष फलदायी है। आज सामाजिक कार्यों में मन लग सकता है। आज कुछ अच्छे लोगों से भी आपकी मुलाकात होगी साथ ही आप कुछ नये विचारों पर काम कर सकते हैं।

कर्क राशि–आज का दिन आपके लिए नई उमंग से भरा रहने वाला है। आज बिजनेस में लाभ पाने के लिए आपको किसी की मदद लेनी पड़ेगी। साथ ही आज आपको वाद-विवाद से दूर रहना होगा ताकि आप अपना मन काम में लगा सके। आज आपको अपनी काबिलियत दिखाने का मौका मिलेगा। व्यापारी वर्ग को आज अच्छा लाभ होने से आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। आर्थिक रूप से आज आपको सफलता मिलेगी।

सिंह राशि–आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आपकी निजी समस्या सुलझ जाने से मानसिक शांति मिलेगी। कार्यस्थल पर आपका काम-धंधा अच्छा चलेगा। आपको किसी काम में मदद की जरूरत रहेगी, इस मामले में अच्छे दोस्त से सलाह मिल सकती है। पॉजिटिव नजरिए से जरूरी काम पूरे हो सकते हैं। कामकाज निपटाने के नए तरीके भी आपको मिल सकते हैं। दोस्तों के साथ रिश्ते में सुधार हो सकता है। विद्यार्थी आज काम और पढ़ाई में बैलेंस बनाकर चलेंगे।

कन्या राशि–आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। व्यवसायिक मामलों में अपनी जिम्मेदारियों को निभाने के लिए मेहनत करने की जरूरत है। विरोधी आपको नुकसान पहुंचाने की नाकाम कोशिश करेंगे। इस राशि के जो लोग सरकारी सेवारत हैं उन लोगों को कोई बेहतरीन कार्यभार मिल सकता है।

तुला राशि–आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप किसी काम को करने के नए तरीके पर विचार करेंगे इससे काम समय से व आसानी से पूरा हो जायेगा। आज शाम को आप किसी बर्थडे पार्टी में जाने का प्लान बनाएंगे। स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आपकी क्रिएटिव फील्ड मजबूत होगी। बिल्डर्स के लिए आज का दिन अच्छा है, नये कॉन्ट्रैक्ट से बड़ा मुनाफा होगा।

वृश्चिक राशि–आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। अपने काम को नया रूप देने के लिए कुछ रचनात्मक गतिविधियों में भी रुचि रहेगी। विद्यार्थियों को प्रतियोगिता से संबंधित गतिविधियों में सफलता मिल सकती हैं। नये काम पर आज विचार करने का पूरा मौका मिल सकता है, लेकिन मौके को हाथ से न जाने दें।

धनु राशि–आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग बने हुए है, लेकिन पढ़ाई में अभी और मेहनत करने की जरूरत है। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। ऑफिस मे सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा, जूनियर आपसे काम सीखना चाहेंगे। आज आपको अपने कार्यों में राजनीतिक रिश्ते का फायदा मिलेगा।

मकर राशि–आज आपका दिन उत्तम रहेगा। अधिकारियों के साथ आपको अपने व्यवहार में थोड़ी सावधानी रखनी चाहिए। धन लाभ के नए सोर्स नजर आ सकते हैं। आपको परिवार के किसी काम से यात्रा करनी पड़ सकती है।

कुंभ राशि–आज आपका दिन खुशनुमा पल लेकर आया है। जो काम जरूरी नहीं है उन कामों में अपना समय बर्बाद न करके रूका हुआ काम अगर फिर से शुरू करेंगे, तो फायदा हो सकता है। जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने का प्रोग्राम बन सकता है। इस राशि के कंप्यूटर स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बेहतर है।

मीन राशि–आज का दिन आपके लिए स्पेशल होने वाला है। इस राशि के लोगों को अपनी कड़ी मेहनत का पॉजिटिव रिजल्ट मिलेगा, जिससे कॉन्फिडेंस बढ़ेगा। किसी योजना को शुरू करने के लिए आज का दिन आपके लिए अच्छा है। भविष्य में आपको काफी लाभ मिलेगा।

शब्द सामर्थ्य -209

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :
1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे
1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुसबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नजदीक, समीप 21. सुबह, प्रात:, सबेरा।

1		2	■	■	■	3		
	■		■	4	5		■	■
6	7		8	■		■	■	9
■	10			■	11	12	13	
■	14		■	15				
16		■	■		■	■		■
17			18		■	19		■
	■	■		■	20	■	■	21
22				■	23			

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 208 का हल

अ	भि	षे	क	■	प	स	■	■
जा	त	■	थ	प	थ	पा	ना	■
य	र	का	नी	■	भ्र	■	र	श्मि
ब	घा	र	■	क	ष्ट	प्र	द	■
■	त	ना	त	नी	■	र्व	■	ब
अ	■	मा	■	ज	मा	त	■	ल
स	जा	■	■	■	■	क	ज	रा
बा	■	बे	स	हा	रा	■	ग	म
ब	गु	ला	■	रा	ज	दू	त	■

सूडोकु नवताल- 7221

★★★★★ कठिनतम

	9				4			7
					7	9		
8								
4		5	8					
3				1				2
					9	7		6
								4
		3	5					
2			6				8	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7220 का हल

7	8	5	2	6	3	1	4	9
4	3	1	9	7	5	8	2	6
2	6	9	1	4	8	7	5	3
3	1	4	6	8	9	5	7	2
9	5	8	7	2	4	6	3	1
6	7	2	5	3	1	9	8	4
5	2	7	3	9	6	4	1	8
1	4	6	8	5	2	3	9	7
8	9	3	4	1	7	2	6	5

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

ऋषभ, जुरेल और जितेश से मेरी प्रति प्रतिस्पर्धा नहीं : सैमसन

सभी का लक्ष्य टीम के लिए बेहतर प्रदर्शन करना

नई दिल्ली। भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने कहा है कि उनकी ऋषभ पंत से कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है। सैमसन के अनुसार उनकी ऋषभ, ध्रुव जुरेल और जितेश शर्मा सभी से अच्छी दोस्ती है क्योंकि उन्होंने काफी समय साथ खेला है। ऐसे में जिसे भी अवसर मिलता है वह टीम की ओर से बेहतर योगदान देने का प्रयास करता है। भारतीय टीम में आज विकेटकीपिंग के कई विकल्प मौजूद हैं। जिससे चयन कठिन हो गया है। टेस्ट मैच के लिए विकेटकीपिंग में ऋषभ पहली पसंद रहते हहैं, उनके बाद ध्रुव जुरेल हैं। वहीं एकदिवसीय में केएल राहुल और संजू सैमसन का मुकाबला ऋषभ से है जबकि जितेश शर्मा टी20ई में ऋषभ और सैमसन को टक्कर देते दिखते हैं। सैमसन को बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की टी20ई सीरीज के में जगह मिली थी। उन्होंने इस अवसर का लाभ उठाया और तीसरे और आखिरी मैच में न सिर्फ शतक लगाया बल्कि टीम में अपनी जगह भी पक्की कर ली। उन्होंने स्वीकार किया कि वह दबाव में थे, क्योंकि टीम के पास उनकी जगह लेने के लिए कई अन्य विकल्प थे। सैमसन ने कहा कि हमारा काम अवसर का इंतजार करना और प्लेइंग इलेवन में चुने जाने पर अपना सर्वश्रेष्ठ देना है। दबाव हमेशा रहता है, लेकिन जब विकेटकीपिंग स्लॉट की बात आती है तो हम उस तरह से नहीं देखते हैं। ऋषभ , ध्रुव और जितेश मुझे लंबे समय से जानते हैं और मैंने उनके साथ काफी क्रिकेट खेला है। हम खुद को प्रतिस्पर्धी के रूप में नहीं देखते हैं और हम हमेशा एक-दूसरे की सफलता का आनंद लेते हैं। आख़िरकार, हम अपने देश के लिए खेल रहे हैं, और जब भी हममें से किसी को टीम का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिले तो हमें जीत में योगदान देना चाहिए। सैमसन ने बीते दिनों हैदराबाद टी20 में 40 गेंदों पर शतक लगाया था। वह ऐसे करने वाली दूसरे सबसे तेज भारतीय बन गए हैं। मैच के बाद सैमसन ने अपनी रणनीति पर बात करते हुए कहा था कि लय पाने के लिए वह राजस्थान रॉयल्स अकादमी गए थे। वहां नई गेंद के गेंदबाजों के खिलाफ जमकर अभ्यास किया। इससे उन्हें मदद मिली। सैमसन ने कहा कि मुझे लगता है कि मैं इस श्रृंखला में किसी भी अन्य श्रृंखला की तुलना में 10 प्रतिशत अधिक तैयार होकर आया था। सैमसन ने कहा कि अपनी भूमिका को लेकर स्पष्टता से उन्हें अपने खेल को लेकर अधिक जागरूकता हासिल करने में मदद मिली।

क्यूरेटर टोनी हेमिंग को पिच बनानी नहीं आती : बासित

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासित अली ने पिच क्यूरेटर टोनी हेमिंग की कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि उसे पिच कैसे बनानी है ये भी नहीं पता। इसी कारण हेमिंग ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में ऐसी पिच तैयार की जिसपर पाक टीम को करारी हार झेलनी पड़ी। साथ ही कहा कि उसे भारतीय पिच क्यूरेटर से सीखना चाहिये कि कैसे अपनी टीम के अनुरुप पिचें बनायीं जाती हैं। इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के पहले मैच में ही मेजबान पाक टीम मेहमान टीम के सामने टिक नहीं पायी। उसे एक पारी और 47 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा। पिच स्पिनरों के लिए आरामदायक नहीं पायी गयी। इंग्लैंड के स्पिनर शोएब बशीर दोनों पारियों में केवल एक विकेट ले पाये। वहीं पाकिस्तान के स्पिनर अबरार अहमद ने 35 ओवर में 4.97 की इकॉनमी से 174 रन दिये और बीमार होने के बाद अस्पताल में इलाज करवाने से पहले एक भी विकेट नहीं ले पाए। सैम अयूब और समलान अली आगा ने विकेट लिए पर काफी अधिक रन दे दिये। बासित ने कहा कि अपने अनुभव के बावजूद हेमिंग पिच तैयार करने में सफल नहीं रहे। बासित ने कहा, हमने पहले टेस्ट मैच में सोचा था कि गेंद दूसरे दिन स्पिन करेगी पर पांचवें दिन भी ऐसा नहीं हुआ। क्यूरेटर ऑस्ट्रेलिया से है और वह आईसीसी का भी हिस्सा रहा है। लेकिन उसे नहीं पता कि पिच कैसे तैयार की जाती है। उन्होंने कहा, अब खिलाड़ी इसी पिच पर खेलेंगे, इस उम्मीद में कि गेंद घूमेगी। ऐसे क्यूरेटर को नियुक्त करने का क्या मतलब है जो पिच बनाना नहीं जानता? यह बहुत सवाल सवाल है। पूरी दुनिया हमारा मजाक उड़ा रही है। भारत को देखिए। पिच को वे जिस तरह से चाहते हैं, उसी तरह से तैयार किया जाता है।

डेब्यू टेस्ट में शतक लगाने वाले गुलाम को बाबर आजम ने बधाई दी

मुल्तान। पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाज और पूर्व कप्तान बाबर आजम ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन शानदार शतक लगाने वाले बल्लेबाज कामरान गुलाम की जमकर प्रशंसा की है। गुलाम को बाबर आजम की जगह इस मेच में शामिल किया गया था। गुलाम ने इंग्लैंड के गेंदबाजों के सामने अच्छा खेल दिखाते हुए 224 गेंदों पर 11 चौकों और 1 छक्के की मदद से 118 रन बनाए। बाबर ने सोशल मीडिया पर गुलाम को उनकी उपलब्धि के लिए बधाई दी औरलिखा - अच्छा खेला कामरान। कामरान ने अपने डेब्यू पर शानदार शतक लगाकर पाक टीम को पांच विकेट पर 259 के स्कोर तक पहुंचाया। इस नये बल्लेबाज ने खराब फॉर्म में चल रहे बाबर की जगह चौथे नंबर पर बल्लेबाजी की और इंग्लैंड के गेंदबाजी आक्रमकण का अच्छे से सामना किया। वहीं दिन के अंत में मोहम्मद रिजवान और सलमान आगा क्रमशः 37 और पांच रन बनाकर नाबाद थे। जब मेजबान टीम टॉस जीतकर 19 पर दो विकेट खोकर दबाव में थी तब कामरान ने सैम अयूब के साथ तीसरे विकेट के लिए 149 रन जोड़े जिन्होंने करियर की सर्वश्रेष्ठ 77 रन की पारी खेली और रिजवान के साथ पांचवें विकेट के लिए 65 रन की साझेदारी की। उन्होंने स्पिनर जो रूट की गेंद पर चौका लगाकर शतक तक पहुंचने में 280 मिनट का समय लिया और अपने डेब्यू टेस्ट में शतक बनाने वाले पाकिस्तान के 12वें बल्लेबाज बन गए।

मयंक ओर नितीश को शीघ्र ही टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू का अवसर मिलेगा : रोहित

बेंगलुरु। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि आने वाले समय में तेज गेंदबाज मयंक यादव और ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी को भी टेस्ट पदार्पण का अवसर मिलेगा। मयंक और नितीश दोनों ही बांग्लादेश के खिलाप हाल ही में संपन्न तीन मैचों की सीरीज में भारत की टी20 टीम में शामिल थे ओर इसमें इन दोनो का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा। दूसरे टी20 मैच में नितीश ने 34 गेंदों पर 74 रन बनाकर प्रभावित किया। इसमें 3 विकेट भी शामिल थे। वहीं मयंक ने भी अच्छी गेंदबाजी करते हुए तीन मैचों में सात से कम की इकॉनमी रेट से चार विकेट लिए। इन दोनों को प्रसिद्ध कृष्णा और हर्षित राणा के साथ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए रिजर्व खिलाड़ियों में शामिल किया गया है। रोहित ने कहा कि, मैं समझता हूं कि इन दोनो ने ही अब तक बहुत अधिक नहीं खेला है। हम बेंच स्ट्रेंथ बनाना चाहते हैं। अगर हम किसी को जल्दी से जल्दी टीम में चाहते हैं। ऐसे में अगर कोई चोटिल हो जाता है तो हम चाहते हैं कि वे आगे आएं। उनके आस-पास होना, उनसे बात करना और ये देखना अच्छा है कि वे टेस्ट क्रिकेट को कैसे देखते हैं। इस प्रकार उन्हें धीरे-धीरे तैयार करना बेहतर होगा। इस साल के आईपीएल में नितीश और मयंक ने अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया। सनराइजर्स के लिए नितीश ने शानदार बल्लेबाजी की जबकि मयंक ने लखनऊ सुपरजायंटस की ओर से अपनी ओर खींचा।

रोहित नीलामी में उतरे तो कई टीमें लगाएंगी बोली : हरभजन

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि अगर वह आईपीएल 2025 सत्र के लिए नीलामी में शामिल होते हैं तो नीलामी का आकर्षक और बढ़ जाएगा। रोहित को मुम्बई इंडियंस ने 2024 आईपीएल सत्र में कप्तानी से हटा दिया था। ऐसे में माना जा रहा है कि वह इस बार नीलामी में उतर सकते हैं। टीम को 5 बार खिताब जिताने के बाद भी जिस प्रकार उन्हें हटाया गया उससे रोहित नाराज माने जा रहे हैं। हरभजन ने कहा कि अगर रोहित नीलामी के लिए अपना नाम देते हैं तो फ्रेंचाइजी को उनके लिए बोली लगाते देखना एक अच्छा अनुभव होगा। यह देखना दिलचस्प होगा कि मुंबई इंडियंस उन्हें रिटेन करती है या नहीं। अगर वह नीलामी पूल में प्रवेश करते हैं, तो वह बोली को विशेष बना देंगे, क्योंकि बहुत सी टीमें उनके नाम पर बोली लगाएंगी। मुम्बई के साथ तीन आईपीएल खिताब जीतने वाले भज्जी ने रोहित की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनमें अभी काफी क्रिकेट बचा है। उन्होंने कहा कि रोहित एक नेता और खिलाड़ी के रूप में काफी अच्छे हैं। वह एक उच्च गुणवत्ता वाले क्रिकेटर और एक मैच विजेता हैं। ऐसे में अगर रोहित नीलामी में उतरते हैं तो उन्हें मोटी रकम मिलेगी। नीलामी देखना रोमांचक होगा। रोहित को एक दशक पहले साल 2013 सत्र के बीच में मुंबई ने कप्तान बनाया तब रिकी पोंटिंग ने अपना पद छोड़ दिया था। रोहित ने पूरी तरह से फ्रेंचाइजी की किस्मत बदल दी और टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे सफल कप्तानों में से एक बन गए। इस बीच, उन्होंने आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 में भारत की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम को सफलता दिलाई। अब देखना दिलचस्प होगा कि क्या मुंबई उन्हें 18वें सीजन से पहले रिलीज करता है या नहीं।

व्यापार

शेयर बाजार गिरावट पर खुला

मुम्बई। घरेलू शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर खुला। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन एशियाई बाजारों से मिले कमजोर रुख से बाजार में ये गिरावट दर्ज की गयी। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 198 अंक करीब 0.24 फीसदी नीचे आकर 81,621 पर खुला। वहीं दूसरी ओर 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी-48 अंक तकरीबन 0.19 फीसदी फिसलकर 25,009 पर खुला। वहीं गिफ्ट निफ्टी से बाजार की कमजोर शुरुआत दिख रही है। सुबह गिफ्ट निफ्टी फ्यूचर्स करीब 49 अंक फिसलकर 25,069 पर कारोबार कर रहा था। वहीं निवेशकों का ध्यान बजाज ऑटो के परिणामों और ह्युंडै के आईपीओ पर भी लगा रहेगा। 16 अक्टूबर को बजाज ऑटो, एलएनटी टेक सर्विसेज, एसीलिया सलूशसन इंडिया लिमिटेड , आदित्य बिड़ला मनी लिमिटेड, एम्फैसिस , सीआरआईएसआईएल लिमिटेड, हिमाद्री स्पेशलिटी केमिकल, टिप्स म्यूजिक लिमिटेड, साउथ इंडियन बैंक, पोंडी ऑक्साइड्स, सेलेकोर गैजेट, पावना इंडस्ट्रीज, कृतिका वायर्स सहित अन्य कंपनियां तिमाही परिणाम जारी करेंगी। इससे पहले गत दिवस अमेरिकी शेयर बाजार रिकॉर्ड ऊंचाई से नीचे आया। इस दौरान वॉल स्ट्रीट के तीनों प्रमुख इंडेक्स नुकसान में रहे। नैस्डैक कंपोजिट में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई। यह इंडेक्स 1.01 नीचे आया। एसएंडपी 500 0.76 फिसला, डॉव जोन्स भी नुकसान में रहा। आज शुरुआती कारोबार में एशियाई बाजारों में भी गिरावट आई है। यह इंडेक्स 1.85 फीसदी गिरा, टॉपिक्स 1.13 फीसदी नीचे आया, ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी / एएसएक्स 200 0.4 फीसदी की गिरावट के साथ खुला, जबकि कोरिया का कोस्पी 1.22 फीसदी और कोस्डाक 0.93 फीसदी गिरा। पिछले कारोबारी सत्र में बाजार में गिरावट दर्ज की गयी। मेटल और वाहन कंपनियों के शेयरों में बिकवाली के चलते बाजार में ये गिरावट रही। इसके अलावा, खुदरा महंगाई के आंकड़े भी निवेशकों के अनुमान के अनुसार नहीं रहे हैं। इसके कारण ब्याज दरों में जल्द कटौती की संभावनाओं को झटका लगा है।

सोने-चांदी की कीमतों में तेजी

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में बुधवार को सोने-चांदी की कीमतों में उछाल आया है। आज सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन सोने और चांदी की वायदा कीमतों में तेजी रही। दोनों के वायदा भाव आज पिछले दिन के बंद भाव पर खुले हालांकि बाद में तेजी के साथ कारोबार हुआ। सोने के वायदा भाव आज 76,400 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 91,700 रुपये के करीब बने हुए हैं। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के भाव में तेजी आई है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क दिसंबर अनुबंध आज पिछले बंद भाव 76,360 रुपये के भाव पर खुला। वहीं आज ये अनुबंध 69 रुपये की तेजी के साथ 76,429 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। ये 76,429 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 76,360 रुपये के भाव पर दिन के निचला स्तर पर पहुंचा। सोने का वायदा भाव इस साल 76,630 रुपये की कीमत पर शीर्ष स्तर पर पहुंचा। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर अनुबंध आज 91,623 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव भी यही था। एक समय यह अनुबंध 56 रुपये की तेजी के साथ 91,679 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 91,687 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 91,605 रुपये के भाव पर दिन के निचला स्तर का हासिल किया। इस साल चांदी के वायदा भाव ने 96,493 रुपये के भाव पर शीर्ष स्तर पर पहुंचे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। चांदी के वायदा भाव कमजोर शुरुआत के बाद संभले। कामेक्स पर सोना 2,679.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। ये पिछली बार 2,678.90 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुए थे। एक समय यह 5.20 डॉलर की तेजी के साथ 2,684.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। वहीं कामेक्स पर चांदी के वायदा भाव 31.68 डॉलर के भाव पर खुले। ये पिछल बार 31.75 डॉलर पर बंद हुए थे।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली,ग्लोबल मार्केट से आज कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल मामूली कमजोरी के साथ कारोबार कर रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। एशियाई बाजारों में आज मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है। मेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार मुनाफा वसूली होती रही, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक 1 प्रतिशत तक टूट गए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.76 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,815.26 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 187.10 अंक यानी 1.01 प्रतिशत की गिरावट के साथ 18,315.59 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.02 प्रतिशत फिसल कर 42,731.16 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होने के कारण लाल निशान में बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.53 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,249.28 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 1.06 प्रतिशत लुढक कर 7,521.97 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ 19,486.19 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में आज मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 4 सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.15 प्रतिशत की मजबूती के साथ 25,092.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.42 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,610.74 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 182.98 अंक यानी 0.90 प्रतिशत की तेजी के साथ 20,501.77 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.40 प्रतिशत उछल कर 3,214.01 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। दूसरी ओर, निक्केई इंडेक्स 701 अंक यानी 1.76 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 39,209.55 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.32 प्रतिशत लुढ़क कर 23,216.85 अंक के स्तर तक पहुंच गया है। इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 0.51 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,619.97 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.06 प्रतिशत फिसल कर 7,622.47 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक गिरावट के साथ 1,464.87 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

गोयल ने निर्माताओं से निर्यात के लिए गुणवत्ता पर ध्यान देने का आग्रह किया

नई दिल्ली, केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को उद्योग जगत से वैश्विक बाजारों का दोहन करने के लिए उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद को बनाने पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि निर्यात प्रतिस्पर्धा सरकारी सब्सिडी या समर्थन से पूरी नहीं हो सकती। वाणिज्य मंत्री ने यहां ताज प्लेस होटल में आयोजित प्रथम भारतीय गुणवत्ता प्रबंधन फाउंडेशन (आईएफक्यूएम) के समापन सत्र को संबोधित करते हुए यह बात कही। गोयल ने उद्योग जगत के दिग्गज रतन टाटा को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि रतन टाटा ने बहुत कठिन परिस्थितियों में आगे बढ़कर नेतृत्व किया, और वास्तव में एक अंतरराष्ट्रीय समूह बनाया। उन्होंने समूह की उपलब्धियों के साथ भारत को गौरवान्वित किया। गोयल ने उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों के निर्माण की जरूरत पर बल देते हुए कहा कि इस दृष्टिकोण के बिना भारत को वास्तव में प्रतिस्पर्धी बनाना बहुत मुश्किल होगा। उन्होंने उद्योग जगत को संबोधित करते हुए भारत में गुणवत्ता पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए मोदी सरकार के प्रयासों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सरकार उद्योग जगत को उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों के विनिर्माण के लिए प्रेरित करने का प्रयास कर रही है, लेकिन उद्योग जगत को यह स्वीकार कराना एक ''कठिन'' काम है कि उन्हें गुणवत्ता वाला सामान बनाना चाहिए। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि सरकार को शुरुआत में गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों पर उद्योग से भारी विरोध का सामना करना पड़ा था। उन्होंने उद्योग के हितधारकों से ब्रांड इंडिया को उत्कृष्टता के प्रतीक के रूप में स्थापित करने में सक्रिय रूप से भाग लेने का भी आग्रह किया, जहां भारत में बने उत्पादों को उनकी उच्च गुणवत्ता के लिए विश्व स्तर पर मान्यता दी जाती है।

देवरा बनी रिकॉर्डधारी

अब आरआरआर, बाहुबली 2 को पछाड़ बनी 17वें दिन सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म

जूनियर एनटीआर की नई फिल्म देवरा पार्ट 1 ने बीती 27 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक दी थी. फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुए आज 18 दिन हो गए हैं. इस बीच देवरा की 17वें दिन की बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की रिपोर्ट सामने आ गई है. फिल्म ने 17वें दिन एक नया रिकॉर्ड अपने नाम किया है. बॉक्स ऑफिस पर नई फिल्में रिलीज होने के बावजूद देवरा ने सिनेमाघरों में अपना जादू बरकरार रखा है. तीसरे वीकेंड में भी फिल्म ने अच्छा परफॉर्म किया है. तीसरे शुक्रवार को देवरा ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 2.75 करोड़ रुपये कमाए. वहीं, शनिवार और रविवार को फिल्म के कलेक्शन ग्राफ में बढ़ोतरी देखी गई. दशहरा के दिन देवरा ने 5.25 करोड़ रुपये की कमाई की. वहीं, बीते रविवार को भी फिल्म ने 5.25 करोड़ रुपये का शानदार बिजनेस किया. दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर देवरा ने 500 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है. बीते रविवार को देवरा के मेकर्स ने फिल्म के कलेक्शन के बारे में अपडेट साझा किया था और बताया कि फिल्म ने 509 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है. तेलुगू राज्यों में देवरा का क्रेज सिर चढ़कर बोल रहा है. फिल्म ने रायलसीमा में कमाई का अंबार लगा दिया है. दशहरा की छुट्टियों का फायदा उठाते हुए देवरा ने 16वें दिन अच्छी कमाई की थी. देवरा ने 17वें दिन रविवार का फायदा उठाते हुए एक बार अच्छी कमाई की है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, टॉलीवुड के इतिहास में अब तक 17वें दिन सबसे ज्यादा कलेक्शन करने वाली फिल्मों में रंगस्थलम (50 लाख रु), हनुमान (50 लाख रु), पुष्पा (68 लाख रु) और बाहुबली 2 (75 लाख रु) शामिल हैं, जबकि आरआरआर ने 88 लाख रुपये कमाए थे. अब 17वें दिन देवरा ने इन सभी फिल्मों का रिकॉर्ड तोड़ते हुए 95 लाख रुपये कमाए हैं.

मृणाल ठाकुर की फिल्म पूजा मेरी जान की रिलीज आगे खिसकी

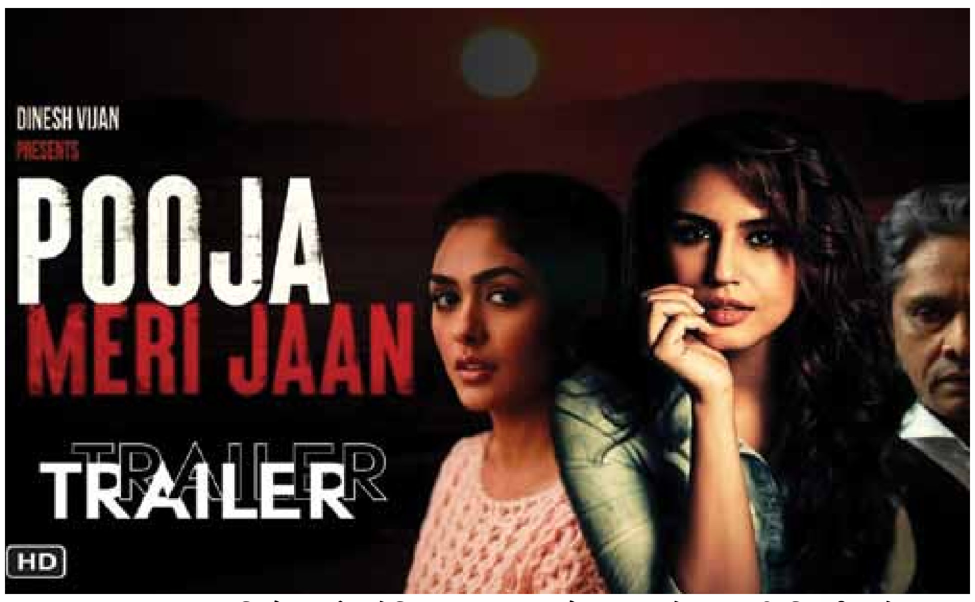

मृणाल ठाकुर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म पूजा मेरी जान को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इस फिल्म में हुमा कुरैशी और विजय राज भी नजर आएंगे।फिल्म के निर्देशन की कमान नवजोत गुलाटी ने संभाली है, वहीं दिनेश विजान इसके निर्माता हैं।दर्शक इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, लेकिन अब आपको फिल्म को देखने के लिए थोड़ा और इंतजार करना होगा।दरअसल, निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज तारीख को आगे खिसका दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, पूजा मेरी जानी नवंबर, 2024 में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब यह अगले साल की शुरुआत में सिनेमाघरों में आएगी।निर्माताओं ने यह फैसला छावा की वजह से लिया है, जो 6 दिसंबर, 2024 को रिलीज होने वाली है। दरअसल, विक्की कौशल की फिल्म की निर्माण भी विजान कर रहे हैं।विजान दोनों फिल्मों पर एक साथ ध्यान नहीं दे पा रहे हैं। इसलिए उन्होंने पूजा मेरी जानी की रिलीज को आगे खिसका दिया है। पूजा मेरी जान की शूटिंग खत्म हो चुकी है। यह फिल्म अपने पोस्ट-प्रोडक्शन पर है।विक्रम सिंह चौहान, राजेश जैस, निखिल अंगरीश और चैतन्य व्यास जैसे सितारे भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।विजान इस फिल्म का निर्माण अम कौशिक, आनंद मिश्रा, संजीव मिश्रा और योगीराज शेट्टी के साथ मिलकर कर रहे हैं।बता दें मृणाल को आखिरी बार विजय देवरकोंडा के साथ फिल्म फैमिली स्टार में देखा गया था। यह फिल्म जियो सिनेमा पर उपलब्ध है।

बॉक्स ऑफिस पर फिल्म जिगरा की दैनिक कमाई में गिरावट

तीसरे दिन जुटाए इतने करोड़ रुपये

वासन बाला के निर्देशन में बनी फिल्म जिगरा को बीते शुक्रवार यानी 11 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था।एक्शन से भरपूर इस फिल्म में आलिया भट्ट और वेदांग रैना मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म में दोनों की अदाकारी की खूब तारीफ हो रही है, लेकिन इसकी कहानी दर्शकों को कुछ ज्यादा प्रभावित नहीं कर सकी।आइए जानते हैं जिगरा ने तीसरे दिन कितने करोड़ रुपये का कारोबार किया है। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, जिगरा ने अपनी रिलीज के तीसरे दिन यानी पहले रविवार को 5.65 करोड़ रुपये का कारोबार किया।इस फिल्म ने 4.55 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरुआत की थी। दूसरे दिन इस फिल्म ने 6.55 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।इसी के साथ अब जिगरा का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 16.75 करोड़ रुपये हो गया है। इस फिल्म को आप हिंदी के साथ तेलुगु भाषा में देख सकते हैं। जिगरा में आलिया ने वेदांग की बड़ी बहन का किरदार निभाया है, जो अपने भाई को हर मुसीबत से बचाने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है।फिल्म में आलिया न सिर्फ अभिनय कर रही हैं, बल्कि वह फिल्म की सह-निर्माता भी हैं। उन्होंने जाने-माने निर्देशक और निर्माता करण जौहर के साथ मिलकर इस फिल्म का निर्माण किया है।इस फिल्म के निर्देशन की कमान वासन बाला ने संभाली है।

सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी की फिल्म धड़क 2 को मिली नई रिलीज तारीख

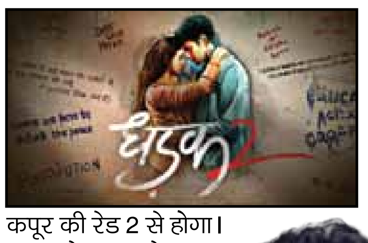

करण जौहर ने इस साल के मध्य में 2018 में आई फिल्म धड़क के सीक्वल का ऐलान किया था। इस फिल्म में पहली बार तृप्ति डिमरी और सिद्धांत चतुर्वेदी की जोड़ी नजर आएगी।यह फिल्म 22 नवंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन फिल्म की रिलीज आगे खिसक गई है।दरअसल, फिल्म के कुछ हिस्सों की शूटिंग होना अभी बाकी है, जिसमें कुछ गाने भी शामिल हैं। अब धड़क 2 को नई रिलीज तारीख मिल गई है। एक सूत्र ने बताया कि धड़क 2 अब 21 फरवरी, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिलहाल इस खबर की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।अगर धड़क 2 अगले साल 21 फरवरी को रिलीज होती है तो यह तृप्ति के प्रशंसकों के लिए किसी उपहार से कम नहीं होगा। दरअसल, अभिनेत्री 23 फरवरी को अपना जन्मदिन मनाती हैं।बॉक्स ऑफिस पर धड़क 2 का सामना अजय देवगन और वाणी कपूर की रेड 2 से होगा। करण ने 2018 में धड़क का निर्माण किया था। इस फिल्म से जाह्नवी कपूर और ईशान खट्टर बॉलीवुड में अपना करियर शुरू किया था।धड़क ने सिनेमाघरों में अच्छा प्रदर्शन किया था। 40 करोड़ रुपये की लागत में बनी फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 110.11 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।यह मराठी फिल्म सैराट पर आधारित थी और उसकी कहानी को बेहद पसंद किया गया था। लगभग 5 वर्षों के बाद करण ने इसके सीक्वल का ऐलान किया है।

सुरभि ज्योति के लेटेस्ट लुक ने इंटरनेट पर मचाया बवाल

एक्ट्रेस की हॉट फोटोज हुईं वायरल

टीवी एक्ट्रेस सुरभि ज्योति आए दिन अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। उनका कातिलाना अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी लेटेस्ट फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं, जिसमें वो काफी ज्यादा सिजलिंग और हॉट अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस सुरभि ज्योति हमेशा अपने बोल्ड लुक्स की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर कर अक्सर लोगों का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टा पर शेयर की हैं। इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक स्टनिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस की इन फोटोज में आप देख सकते हैं वो बेहद ही शानदार लुक में नजर आ रही हैं। फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस सुरभि ज्योतिन ने व्हाइट कलर का टॉप पहना हुआ है, जिसमें वो बेहद ही कातिलाना लुक में नजर आ रही हैं। सुरभि ज्योति सोशल मीडिया लवर हैं। वो इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस की फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है। ओपन हेयर और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस सुरभि ज्योति ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। बता दें कि एक्ट्रेस का हर एक स्टाइल फैंस के बीच ट्रेंड करता है।

विक्की विद्या का वो वाला वीडियो की कमाई में मामूली बढ़त

जानिए तीसरे दिन का कारोबार

पिछले लंबे वक्त से राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो को लेकर चर्चा में हैं। उनकी यह फिल्म बीते शुक्रवार यानी 11 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है।इस फिल्म से निर्माताओं को काफी उम्मीदें थी, लेकिन यह दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने के लिए संघर्ष कर रही है।अब विक्की विद्या का वो वाला वीडियो के तीसरे दिन के कमाई के आंकड़े सामने आ गए हैं। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, विक्की विद्या का वो वाला वीडियो ने अपनी रिलीज के तीसरे दिन यानी पहले रविवार को 6.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 18.65 करोड़ रुपये हो गया है।बता दें कि विक्की विद्या का वो वाला वीडियो ने 5.5 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरुआत की थी, वहीं दूसरे दिन यह फिल्म 6.9 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही। विक्की विद्या का वो वाला वीडियो की कहानी विक्की (राजकुमार) और विद्या (तृप्ति) पर आधारित है, जो अपनी शादी के बाद पहली रात को यादगार बनाने के लिए वीडियो बनाते हैं, लेकिन वह वीडियो खो जाता है और विक्की, विद्या से सच छिपाता है, जिसके बाद विद्या सोचती है कि उसके पति का अफेयर चल रहा है।इस फिल्म में विजय राज, मल्लिका शेरावत और शहनाज गिल जैसे सितारे भी नजर आ रहे हैं।

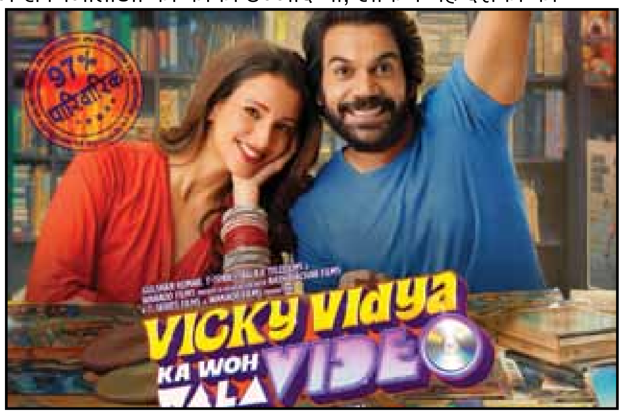

To harass the public, electric smart meters are being forcibly installed in their homes, said Gappu Ray

Neeraj Anand l BNM

MOTIHARI: On Wednesday, a massive protest was held at the gate of the Superintending Engineer (Electricity) office near Kachhari Chowk against electricity smart meter and a memorandum was handed over to District Magistrate Saurabh Jorwal. Secretary of All India National Congress Committee and In-charge Secretary of Bihar State Congress Committee Sushil Kumar Pasi was present in the said program. On the other hand, District President of Congress Shashi Bhushan Rai alias Gappu Rai said that by imposing the smart meter scheme on the poor people, the state government is making a malicious attempt to benefit Adani-Ambani. To harass the people, it is being forcibly installed in their homes. Mr. Rai alleged that this is a joint loot scheme of Prime Minister Narendra Modi and Chief Minister Nitish Kumar. Congressmen will fight for the people on this issue from block to district headquarters. He said that as per the instructions of State President Akhilesh Prasad Singh, a state-level dharna and demonstration has been organized against the smart meter scheme. Rai said that the double engine government is exploiting the poor people of Bihar through Adani-Ambani in the smart meter. As you know, the Modi-Nitish government in Bihar is replacing old electricity meters with new ones in the name of "smart meters", but there are many major flaws in this smart meter, he said adding that The agency and the government installing the smart meter are conspiring to loot the common people and are forcibly collecting more money in lieu of providing electricity. Since this is a smart meter, there is no system of going door-to-door to check the electricity bill. It is being operated in a centralized manner and money is also being collected arbitrarily.

Due to this prepaid system, consumers are facing many difficulties. Mr. Rai further said that according to the Supreme Court, the electricity department can install smart meters only with the consent of the electricity consumers, but in Bihar, the electricity department is forcibly installing smart meters in all the houses, ignoring the order of the Hon'ble Court.

The electricity department has now made it compulsory to install smart meters, those who do not want to install them are being forced to do so and in case of not being able to do so, cases/complaints are also being registered against the electricity consumers in the police station. Taking serious cognizance of all these problems, the Congress Party strongly opposes this in public interest and demands that the smart meters be removed and postpaid meters be installed in all the houses as before. Bihar Pradesh Congress Committee is running a campaign against this smart meter. As soon as our government comes to power in Bihar, every house will be given 200 units of free electricity. At the same time, Bihar Pradesh Congress in-charge secretary Sushil Kumar Pasi attended the review meeting at the District Congress Committee office located at Banjaria Pandal and also talked to all the block presidents and district Congress officials one by one. Thereafter, discussions were held at Sadakat Ashram Patna regarding the preparations for celebrating the birth anniversary of Bihar Kesari Babu Krishna Singh on 21 October. On this occasion, Shashi Bhushan Rai alias Gappu Rai addressed the gathering and said that Babu Shri Krishna Singh was a great politician, social worker and freedom fighter. He did a lot of work for the development and prosperity of Bihar and his legacy is still a source of inspiration for the people of Bihar. His life and work are remembered in the programs organized on his birth anniversary and efforts are made to carry forward his legacy.

On this occasion, Brijesh Pandey, Shailendra Kumar Shukla, Rampreet Rai, Vijay Shankar Pandey, Shailendra Kumar Singh, Mumtaz Ahmed, Akhileshwar Prasad Yadav alias Bhai Ji, Satyendra Nath Tiwari, Sanjeev Kumar Singh, Bachchi Pandey, Munni Sahni, Osaidur Rahman, Arun Prakash Pandey, Amarendra Kumar Singh, Dhananjay Tiwari, Dr. Lalan Ram, Brijbhushan Pandey, Dr. Afroz Alam, Rahul Sharma, Ranjan Kumar Sharma, Janmothri Mamta Nishad, Prem Shukla, Awadh Kishore Mishra, Rajendra Tiwari, Ajay Kumar Jha, Umashankar Yadav, Sanjay Kumar Pandey, Digvijay Singh, Srikant Mishra, Muktinath Jha, Chaman Jaiswal, Devesh Tripathi, Manoranjan Tiwari, Mukhiya, Abid Hussain, Mahendra Pathak, Sujay Gandhi, Ranjit Pandey, Rajkumar Yadav, Rajkumar Anjuman, Vishwanath Prasad Chourasiya, Shivkumar Jaiswal, Awadhesh Singh, Nandkishore Choubey, Ramesh Kumar Srivastava, Niaz Ahmed Khan, Ahmed Ali, Santosh Kumar Bablu, Sanjay Yadav, Virendra Ram, Rahul Kumar, Ajit Kumar Mishra, Bajendra Tiwari, Gugul Thakur, Harikishore Patel, Ramesh Sahni, Parshuram Pandey, Neetu Kumari, Vindhyachal Yadav, Kamil Akhtar and others were present.

District Administration Freed the Land Encroached for 50 Years

BNM @MOTIHARI

MOTIHARI: The land encroached for about 50 years near the Gram Panchayat Raj Godhwa Panchayat Bhawan located in Sadar block was freed from encroachments on Wednesday. Bihar State Secretary of Mukhiya Sangh cum Godhawa Panchayat Mukhiya Raju Baitha said that in this regard, encroachment case number 06/2022 was going on in the Circle Office, Sadar Motihari, in which notice of about 32 encroachers was issued, but the Circle Officer Motihari did not demolish everyone's house.

Many people received the notice but their house was not demolished. He asked Circle Officer Motihari should tell why the houses of all those who were issued notices in Basmanpur Agarwa Revenue Village Khata 83 Khesra 293 were not demolished?

If they had not encroached on Khata 83 Khesra 293, then why were they harassed by giving them notices again and again. If they are encroachers, then why was their house not demolished, this is the question?

Mukhiya Raju Baitha said that very soon I will meet the District Magistrate Saurabh Jorwal for this matter and if needed, I will start the hunger strike again.

TIRHUT COMMISSIONER AND CHAMPARAN RANG DIG REVIEWED GOVERNMENT'S SCHEMES IN MOTIHARI

BNM@MOTIHARI

MOTIHARI: In the review meeting of departmental schemes held on Wednesday at Dr. Rajendra Prasad Sabha Bhawan located in East Champaran Collectorate under the joint chairmanship of Tirhut Divisional Commissioner Sarvanan M. and Deputy Inspector General of Police Champaran Region Jayant Kant, the Commissioner said that the officers should complete the given responsibilities and tasks on time with priority so that it can benefit the public. The Commissioner said that to achieve the goal and achievement, make maximum use of technology with a good strategy. At the beginning of the meeting, all the officials including the Commissioner and Deputy Inspector General of Police were welcomed by the District Magistrate, after which information about departmental schemes and achievements was given through a power point presentation. During review of the General Administration, District Magistrate Saurabh Jorwal said that according to the roster, the vacancies in various cadres have been identified and the proposal has been sent to the government. Training of HRMS module is being given under Bihar Administrative Reform Mission Society, which will greatly facilitate the work. During the review of the Election Department, the Deputy Election Officer said that the polling stations in the district have been rationalized. The total number of polling stations in the district has increased. The Commissioner said that East Champaran has an abundance of historical and cultural heritage. Its wide publicity is necessary so that the new generation gets information about it

and tourism can also be promoted. At the same time, the DM said that instructions have been given to do mutation and correction on priority in the works of the Revenue Department, which is also being reviewed by the Sub-Divisional Officer every week. Out of 694763 applications received for mutation in the district, 672952 have been executed. The percentage of mutation was reported to be 96.86%. E-KYC of all the beneficiaries is being done under the Supply (Food and Consumer Protection Department) system in the district and till now 62.58% has been completed. Once e-KYC is completed, there will be no complaint in the supply system. The Commissioner obtained information about the status of studies in schools. The District Education Officer said that there is a lot of improvement in the quality of teaching in schools and good work is being done. Teacher-parent meetings are also being held regularly in schools. The District Magistrate said that a proposal to make Madhuban a Nagar Panchayat has been sought from the Sub-Divisional Officer, Pakridyal. Regarding crime control in the district, the Superintendent of Police said that a total of 9712 cases were reported in the year 2024, out of which 9526 cases have been disposed of. There are 500 inspecting officers in the district, which has speeded up the execution of works. The Commissioner directed the Civil Surgeon to make the postmortem and injury reports available within 24 hours. All sub-divisional police officers were directed to talk to the police station in-charges and review the pending postmortem and injury reports. The Commissioner said that there should not be any communication gap at any level. Superintendent of Police Swarn Prabhat said that till September 2024 this year, 727 non-bailable warrants, 75 proclamations and 62 attachment-seizure actions have been taken. Three persons have been arrested and sent to jail for celebratory firing. Vehicles have been equipped with GPS and are being connected to the wireless system to monitor patrolling at the police station level. Senior police officers are regularly checking at night. Every Saturday, a land dispute resolution camp is being organized by holding a meeting with the circle officer at the police station level. To prevent cyber crime, 63 FIRs have been registered so far, in which 11 people have been arrested. At the end of the meeting, the proceedings of the meeting were concluded by the Additional Collector expressing his gratitude. District Magistrate Saurabh Jorwal, Superintendent of Police Swarn Prabhat, Municipal Commissioner Saurabh Suman Yadav, Additional Collector Mukesh Kumar Sinha along with all district level officers, all sub-divisional officers, DCLR, SDPO, engineers of working departments were present in the said review meeting.

JDU's Intellectual's Meeting draws Huge Crowd

Sanjeev Jaisawal l BNM

MOTIHARI: JANTA DAL United's Bihar Samvad program was organized on Tuesday at Munshi Singh Mahavidyalaya. This program was organized specially for intellectuals and youth. Janata Dal United's National General Secretary Manish Kumar Verma attended the program. On this occasion, District President Manju Devi, Tirhut Division In-charge Robin Singh, MLA Shalini Mishra, Legislative Councilor Virendra Narayan Yadav, former ministers Shyam Bihari Prasad and Virendra Singh Kushwaha, former MLAs Md. Obaidullah, Razia Khatoon, Meena Dwivedi and Shivji Rai, former Legislative Councilor Satish Kumar were specially present. At the beginning of the program, under the leadership of Banjaria Block President of Mukhiya Sangh Vinod Kumar Yadav, Manish Verma got hundreds of people to take primary membership of JDU. After this, businessmen, doctors, engineers, lawyers, youth and other people present in the program shared their views on the basic points necessary for the development of Bihar and also gave their suggestions to make the policies of the government more effective. Addressing the intellectuals and youth present, Manish Verma said that today's youth is the future of Bihar. The way we prepare our youth, so will be the future of Bihar. The government has a limited scope. Both the government and the society together ensure the development of any state, therefore the Nitish government is working on its part to take Bihar forward at every level, but as citizens, we too will have to discharge our role towards the society honestly. He said that the one who rules should have a big heart. We all should listen to the people to correct our shortcomings. Their good ideas will have to be conveyed to the government. Everyone has the right to speak.

We can also review the work of the government in a positive manner so that the government can remove those shortcomings. He said that when Bihar and Jharkhand were separated, Jharkhand had some industrial units, mineral wealth but Bihar had nothing except human wealth, yet 19 years ago Nitish Kumar ji took over the throne of this Bihar and today the situation is such that Bihar is ahead of Jharkhand. He said that our leader believes that electricity, roads etc. are definitely the basis of development but the real development will happen when we make the person stand on his own feet and make him self-reliant. Bihar will progress only when the weakest of the weak Biharis move forward. Sharing his experience, he said that during this workers' meeting, I am going to different villages and hamlets in different districts, there I see such sections where the flow of development still needs to be accelerated. The government is providing all the facilities but if we ourselves are not ready to educate the children, then it is also the responsibility of the society to prepare such people in this direction. The government is running many types of schemes in the field of education. Nitish Kumar has made every arrangement to ensure that the child of every community, class, religion gets educated.

We should go ahead and give the benefit of all those schemes to our children, educate them, only then our Bihar will be able to move forward. He told the youth present that the future Bihar is the Bihar of entrepreneurship. We do not have to strive just for jobs. The government can provide employment only according to its system and we do not have to become job seekers but job givers. In our society, there is such a notion about government jobs that without them there is nothing. We have to get out of this thinking. In today's time, we can do our own business, start a startup, set up our own enterprise, so that we will not only be able to run our own livelihood, but we will also be able to run the livelihood of others. A large number of people from our Bihar state are working on big positions in many big companies, so there is no dearth of talent in our Bihar. If we use that talent in the development of our Bihar, then definitely Bihar will progress rapidly.

The strength is in all of us, we are all Biharis. Other governments worked to take Bihar to the abyss. Nitish Kumar ji has worked to raise Bihar again. We want to change the spoiled system but the support of the society is also necessary in that change. He said sarcastically that there are some people who have formed new parties and are misleading the whole of Bihar, they say that they will stop migration from Bihar in one year. They say that they will stop migration by giving loans to everyone from the money lying in the banks. I ask them, what magic wand do you have that will stop migration from entire Bihar in one year. Blaming the previous governments on the present government is their only remaining work. Today, the leader of a party whose parents did not transform Bihar during their rule, but pushed Bihar into jungle raj.

Their son talks about the development of Bihar, there is a need to be cautious of such people who mislead and show dreams. He also answered the questions of the students present there and said that there is a need to stay away from people and parties who mislead.

Good news: A health sub-centre To Be built in Jatwalia Panchayat

LATE BAJRANGI NARAYAN THAKUR'S SON DONATED 5 KATTA LAND FOR HOSPITAL

CIVIL SURGEON WROTE A LETTER TO THE DISTRICT MAGISTRATE FOR ACQUISITION OF LAND

BNM@MOTIHARI

MOTIHARI: A health sub-centre will soon be set up in Gorgaon, Jatwalia Panchayat under Dhaka block in the district. For this, 5 kattha land has been donated to the health department, efforts are being made to acquire it. Dr. Manish Kumar, son of late Bajrangi Narayan Thakur, a social worker of the district, has sent a letter to the Health Department, Chief Minister, Health Minister, District Magistrate, District Land Acquisition Officer, SDM, CO to donate the land. Civil Surgeon Dr. Vinod Kumar Singh said that

the establishment of a health sub-centre in the said area will greatly facilitate the treatment of local people. He said that under the National Health Mission, departmental initiative is being taken at the district level to open 10 health sub-centres in many blocks of the district. For this, MLAs have been contacted. Dr. Manish Kumar said that the distance of Dhaka sub-divisional hospital from Jatwania Panchayat, Gorgaon village is 12 kilometres. During the rainy season, many parts of that area get flooded and the connection with the sub-divisional hospital is lost. Due to this, people have to face a lot of problems in getting treatment. He said that Sitamarhi district is located at a distance of 5 kilometres from here. Nepal is just 2 kilometres away. He said that a meeting was held with the civil surgeon in this regard on Wednesday. Soon talks will be held with the District Magistrate and other officials so that the construction work of the health sub-centre can be started at the said site soon.